धनबाद
सोमवार 13.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-141 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-14
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

अगले साल देश को मिलेगी पहली बुलेट ट्रेन

सूरत से बिलिमोरा तक काउंटडाउन शुरू, घंटों की दूरी मिनटों में होगी तय

हैदराबाद (ईएमएस): भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का सपना अब हकीकत में बदलने की दहलीज पर है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। उन्होंने साफ किया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का पहला चरण अगले साल (२०२७) शुरू होने जा रहा है, जिससे भारतीय रेलवे एक नए युग में प्रवेश करेगी।

रेल मंत्री ने योजना का खाका पेश करते हुए बताया कि शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत से बिलिमोरा के बीच पहला सेक्शन चालू किया जाएगा। इसके बाद सिलसिलेवार ढंग से आगे का काम बढ़ाया जाएगा, जिसमें वापी से सूरत, वापी से अहमदाबाद, अहमदाबाद से ठाणे और अंत में अहमदाबाद से मुंबई तक का पूरा नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाएगा।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी एक वीडियो में भी इस बात की पुष्टि की गई है कि प्रोजेक्ट अब अपने अगले महत्वपूर्ण चरण में पहुंच चुका है।

हैदराबाद बनेगा दक्षिण भारत का हाई-स्पीड हब

पश्चिम भारत के साथ-साथ दक्षिण भारत को भी इस अत्याधुनिक तकनीक का बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर हैदराबाद को तीन बड़े हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है, जो पूरे क्षेत्र के परिदृश्य को बदल देंगे।

ये कॉरिडोर पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई और हैदराबाद-बेंगलुरु के बीच बनेंगे, जिससे हैदराबाद एक प्रमुख हाई-स्पीड हब के रूप में उभरेगा।

चंबल गार्डन बनेगा राजस्थान का प्रमुख पर्यटन केंद्र

जयपुर (ईएमएस): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चंबल गार्डन एवं किशोरपुरा मुक्तिधाम के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए कहा कि चंबल गार्डन हाड़ौती की विरासत और कोटा की पहचान है। लगभग पाँच दशक पहले विकसित इस ऐतिहासिक स्थल को अब आधुनिक सुविधाओं के साथ नया स्वरूप दिया जाएगा, ताकि यह राजस्थान और देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना सके। चंबल नदी का प्राकृतिक सौंदर्य, निकट स्थित भगवान शिव का प्राचीन धार्मिक स्थल भीतरिया कुंड और आधुनिक सुविधाएं मिलकर इसे पर्यटन का नया आकर्षण बनाएंगी। उन्होंने कहा कि दो वर्ष बाद यह गार्डन केवल कोटा ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होगा।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने में हमारे सब्र को कमजोरी नहीं समझें: सीएम उमर

केंद्र सरकार पर एलजी के जरिए राज्य की शासन-व्यवस्था को नियंत्रित करने का लगाया आरोप

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में उनके सब्र को उनकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। हजरतबल में अपने दादा-दादी की मजार पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से पूछा कि आखिर वह उपयुक्त समय कब आएगा और इसकी स्थिति कब स्पष्ट होगी।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों से बातचीत करने के लिए तैयार है, तो फिर जम्मू-कश्मीर के लोगों से बातचीत करने में क्या परेशानी है। अपनी दादी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे हमेशा धैर्य रखने की सीख ली है, लेकिन धैर्य रखने का मतलब चुप रहना या अपने अधिकारों के लिए आवाज न उठाना नहीं होता। उन्होंने साफ किया कि सब्र ही उनकी ताकत है और यही कामयाबी का जरिया बनेगा। सीएम उमर ने केंद्र सरकार से आत्ममंथन करने को कहा कि सत्ता में आए डेढ़ साल से ज्यादा का समय बीतने के बाद भी जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस को जंतर-मंतर पर २० जुलाई को विरोध प्रदर्शन करने की जरूरत क्यों पड़ी।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य और प्रतिष्ठा को दांव पर लगाकर हमेशा हिंसा के बजाय बातचीत का रास्ता चुना, जबकि उन्हें पता था कि यह फैसला उनके राजनीतिक करियर के लिए काफी जोखिम भरा हो सकता है। इस दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के ▶▶ 8

17 को लॉन्च होगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय रेलवे १७ जुलाई को एक नई उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच ८९ किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन भारतीय रेलवे के लिए ग्रीन ट्रांसपोर्ट की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। उद्घाटन तो १७ जुलाई को होगा, लेकिन आम यात्रियों के लिए इसकी नियमित सेवा कब शुरू होगी, इसका फैसला अभी उत्तर रेलवे को करना है। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी ऑपरेशन शेड्यूल के मुताबिक, ▶▶ 8

उत्तराखंड में तेज बारिश से केदारनाथ हाईवे पर भूस्खलन, मुनकटिया का रास्ता बंद

सड़क से मलबे को हटाने बड़ी मशीनें और जेसीबी लगातार कर रही काम

रुद्रप्रयाग (ईएमएस): उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में तेज बारिश जारी है। इस वजह से आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रुद्रप्रयाग जिले और केदारनाथ धाम के आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश हो रही है। इसी बीच सोनप्रयाग के पास मुनकटिया में बड़ा भूस्खलन हुआ है। इस भूस्खलन की वजह से केदारनाथ मुख्य हाईवे का एक हिस्सा मलबे से भर गया है, जिससे गाड़ियों का आना-जाना रुक गया। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है और रास्ते को साफ करने का काम तेज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरीकुंड के पास मुनकटिया में पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और बड़े बोल्डर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे हाईवे बंद हो गया है। इस रास्ते को दोबारा चालू करने के लिए जिला प्रशासन ने मशीनें और जेसीबी काम पर लगा दी हैं। सड़क से मलबे को हटाने का काम तेजी से ▶▶ 8

बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर होने के दावे से बढ़ी चिंता

चिकन नेक को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी के दावों से रणनीतिक बहस हुई तेज

नई दिल्ली (ईएमएस): बांग्लादेश में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी लकी बिष्ट के दावों के बाद सुरक्षा संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इन दावों की भारत सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से फिलहाल पुष्टि नहीं की गई है। दरअसल लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं, जहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके सहयोगियों की भूमिका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष २०२५ में पाकिस्तान की आईएसआई के प्रमुख आसिम मलिक ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इन कथित शिविरों का गुप्त दौरा किया था। इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व रॉ अधिकारी ने रंगपुर, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, सिलहट और नेत्रोकोना क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन इलाकों में विभिन्न चरमपंथी संगठनों से जुड़े तत्व सक्रिय हैं। ▶▶ 8

नक्सलियों का डंप किया बरामद

दंतेवाड़ा (ईएमएस): दंतेवाड़ा पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों के छिपाए गए हथियार, विस्फोटक, कैश और सोने का डंप बरामद किया है। नक्सलियों ने जंगल-पहाड़ में हथियार छिपाकर रखा था। जिसे सरेंडर्ड नक्सलियों के बताए अनुसार मौके पर पहुंचे जवानों ने बरामद कर लिया है। मामला बारसूर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, नक्सलियों की निशानदेही पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन में ११६ ग्राम सोना, २ लाख रुपए कैश समेत करीब १८ लाख रुपए की सामग्री जब्त की गई है। इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी मिले हैं।

पुलिस ने बिश्नोई गैंग से जुड़े तीन शूटरों को किया गिरफ्तार

बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे

नई दिल्ली (ईएमएस): बाहरी दिल्ली की रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शूटरों में से दो यूपी के और एक दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक ये तीनों शूटर दिल्ली में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे और किसी की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। इसी बीच पुलिस को उनके आने-जाने की भनक लग गई और उन्हें दबोच लिया।

पुलिस का कहना है कि उन्हें इन शूटरों की हरकतों के बारे में पहले ही खुफिया जानकारी मिल गई थी। सूचना मिलते ही स्पेशल स्टाफ की टीम ने उनका पीछा किया। इसके बाद लगातार निगरानी रखकर और तकनीकी जांच की मदद से तीनों को दबोच लिया। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि इन शूटरों को विदेशों में बैठे गैंग के नेटवर्क से निर्देश मिल रहे थे। विदेशी हैंडलर से जानकारी मिलने के बाद ही इन्हें दिल्ली में वारदात को अंजाम देना था। गिरफ्तार किए गए ये शूटर दिल्ली में पहले हुई कई आपराधिक घटनाओं में शामिल थे और पुलिस को काफी समय से इनकी तलाश थी। यह भी पता चला है कि ये शूटर पहले भी हत्या और सरेआम गोलीबारी जैसी कई संगीन वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस ने अब इनसे पूछताछ कर रही है।

चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल किया, भारत अभी कई साल दूर

इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस): चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल कर लिया है। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो दोबारा इस्तेमाल होने वाले लॉन्च सिस्टम पर काम कर रहे हैं। वहीं इसरों के दोबारा इस्तेमाल होने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल की डेमो-फ्लाइट में अभी कई साल और लगेंगे। चीन ने हैनान तट के पास वर्टिकल पावर्ड डिसेंट के बाद अपने लॉन्ग मार्च-१०बी रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर को वापस हासिल कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के हवाले से बताया कि इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद है। इस कामयाबी से ग्लोबल लीडर्स के साथ अंतर कम तो हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेस-एक्स अभी भी इस मामले में बेंचमार्क बना हुआ है; इसने करीब एक दशक से फाल्कन-९ बूस्टर को लगातार रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया है, जिससे लॉन्चिंग की लागत और तौर-तरीके पूरी तरह बदल गए हैं। ब्लू ओरिजिन भी अपने भारी-भरकम न्यू ग्लेन रॉकेट के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले पहले चरण पर काम कर रहा है। चीन की यह कामयाबी दिखाती है कि दोबारा इस्तेमाल होने वाले ऑर्बिटल लॉन्च सिस्टम अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कमर्शियल और लूनर प्रोग्राम चलाने वाली बड़ी स्पेस ताकतों के लिए यह एक जरूरी क्षमता बनती जा रही है।

स्पेस एजेंसी की ताजा जानकारी के विश्लेषण से पता चलता है कि एनजीएलवी का विकास शुरू हो गया है। एनजीएलवी को आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल होने वाला, इंसानों को ले जाने में सक्षम और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक लॉन्चर बताया गया है। इस तीन-स्टेज वाले व्हीकल को लो-अर्थ ऑर्बिट तक ३० टन तक का पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इसके दो वेरिएंट की योजना है। इसरो ने बताया कि पहले स्टेज को वर्टिकल लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल के जरिए रिकवरी के लिए कॉन्फ़िगर किया जाएगा। यह रिकवरी का तरीका मोटे तौर पर फाल्कन-९ जैसा ही है, जिसे सबसे पहले अपनाया गया था और अब चीन भी इसी रास्ते पर चल रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर फिर बढ़ा अमेरिका-ईरान तनाव

दोनों ओर से हो रहे हमलों से मध्य-पूर्व में संकट गहराया

नई दिल्ली (ईएमएस): मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में एक व्यापारिक जहाज पर हमले के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई तेज हो गई है। अमेरिका ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमले किए, जबकि ईरान ने भी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों की ओर जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। घटनाक्रम के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद रखने की घोषणा की है। इससे पहले एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले को लेकर अमेरिका ने ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए व्यापक सैन्य अभियान चलाया। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का दावा है कि हाल के दिनों में ईरान के अनेक सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, ताकि व्यापारिक जहाजों पर हमले की उसकी क्षमता को कमजोर किया जा सके।

दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कतर, ओमान तथा खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा किया है। हालांकि इन दावों के संबंध में दोनों पक्षों के बयान अलग-अलग हैं और कई दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक ▶▶ 8

नीता अंबानी ने फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिला का खिताब जीता

यह सम्मान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र योगदान के लिए दिया गया

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की जानी-मानी उद्योगपति और रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी को फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिलाएं २०२६ की सूची में पहला स्थान मिला है। यह सम्मान उन्हें केवल कारोबारी दुनिया में प्रभाव के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उनके लंबे समय से किए जा रहे योगदान के लिए दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में फॉर्च्यून इंडिया के मुताबिक रिलायंस फाउंडेशन के जरिए अब तक १० करोड़ से अधिक लोगों तक कई सामाजिक योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है। इनमें करीब २.९ करोड़ बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं मिली हैं। मुंबई में आयोजित फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिलाएं २०२६ कार्यक्रम में देशभर की १०० प्रभावशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस सूची में बिजनेस, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, पब्लिक पॉलिसी और स्टार्टअप जगत की कई प्रमुख महिला नेताओं को शामिल किया गया। कार्यक्रम में नेतृत्व, एआई, वित्तीय सशक्तिकरण, उद्यमिता, समावेशी विकास और विकसित भारत जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस मौके पर ▶▶ 8

सात मोक्षदायिनी नगरों में स्थान प्राप्त है 'हरिद्वार' को, भगवान शिव से है खास संबंध

हरिद्वार (ईएमएस): हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल एवं पवित्र धार्मिक नगरी में 'हरिद्वार' की गिनती होती है। इसे भगवान विष्णु का प्रवेश द्वार होने के कारण 'हरिद्वार' और भगवान शिव से जुड़े पौराणिक महत्व के कारण 'हर का द्वार' भी कहा जाता है। गंगा तट पर बसे इस शहर का उल्लेख अनेक धार्मिक ग्रंथों में मिलता है।

मान्यता है कि प्राचीन काल में बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु सबसे पहले हरिद्वार में गंगा स्नान कर अपनी यात्रा का शुभारंभ करते थे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हरिद्वार का प्राचीन नाम 'मायापुरी' है, जिसे हिंदू धर्म के सात मोक्षदायिनी नगरों में स्थान प्राप्त है। यहां प्रत्येक १२ वर्ष में महाकुंभ का भव्य आयोजन होता है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु और साधु-संत भाग लेते हैं। स्कंद पुराण, शिव पुराण, पद्म पुराण सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों में हरिद्वार के विभिन्न सिद्ध पीठों और पौराणिक स्थलों का उल्लेख मिलता है। धर्माचार्य पंडित श्रीधर शास्त्री के अनुसार हरिद्वार का भगवान शिव से गहरा पौराणिक संबंध है। उनका कहना है कि इस क्षेत्र में भगवान शिव के अनेक सिद्ध पीठ स्थित हैं और केदारनाथ धाम का प्रवेश मार्ग भी यहीं से माना जाता है। इसी कारण प्राचीन समय में इस नगर को 'हर का द्वार' अर्थात भगवान शिव का द्वार कहा जाता था। मान्यता है कि केदारनाथ की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु हरिद्वार में गंगा स्नान करने के बाद नंगे पांव यात्रा शुरू करते थे।

हरिद्वार की प्राचीन उपनगरी कनखल का भी विशेष धार्मिक महत्व है। पौराणिक कथाओं के अनुसार यही भगवान शिव की ससुराल मानी जाती है, जहां विश्व प्रसिद्ध दक्षेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यह वही स्थान माना जाता है जहां राजा दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया था और माता सती ने अपने पिता के अपमानजनक व्यवहार से आहत होकर योगाग्नि में देह त्याग दी थी। इस घटना के कारण दक्षेश्वर महादेव मंदिर का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि चातुर्मास के दौरान भगवान शिव की पूजा-अर्चना का विशेष फल प्राप्त होता है। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन मास को भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना गया है।

संपादकीय

भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी का नया अध्याय

वैश्विक स्तर पर तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच अलग-अलग देशों में आपसी सहयोग के लिए जिस स्तर पर नए समीकरण बन रहे हैं, उससे साफ है कि अब पुराने ध्रुवों के विकल्प तैयार हो रहे हैं और विकसित तथा सक्षम देशों को भी अपने बेहतर भविष्य का रास्ता तैयार करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में देखें, तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को जिस स्तर पर सहयोग और साझेदारी की घोषणा हुई, वह मौजूदा दौर की जरूरतों के मद्देनजर एक महत्त्वपूर्ण पहल है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय के दौरान मुक्त व्यापार के क्षेत्र में भारत ने कई देशों के साथ समझौते किए हैं, जिसके तहत देश की अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए नई संभावनाएं तैयार करने की कोशिश की गई है। इसी क्रम में अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती देने जैसे कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी है।

साथ ही परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, साइबर तकनीक, अंतरिक्ष और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग का दायरा बढ़ाने का खाका भी पेश किया गया। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने तथा अन्य मोर्चों पर जारी तनावों के हल के लिए संवाद और कूटनीतिक प्रयास जारी रखने पर भी सहमति बनी। जाहिर है, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच साझेदारी के सफर के विस्तार की जो पहल हुई है, उसका आधार अगले कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर बदलते ध्रुव और उसी मुताबिक तैयार होते समीकरण हैं, जिनमें सहयोग के नए आयाम तैयार

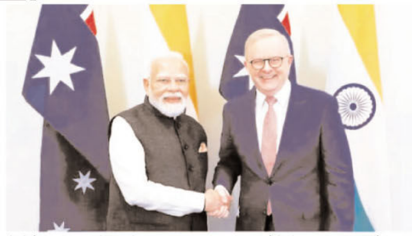

हो रहे हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का पहले से ही साझेदारी का लंबा सफर रहा है, लेकिन ताजा समझौतों में परमाणु ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के मामले में सहयोग के जिस मोर्चे पर ठोस समझदारी बनी है, वह आने वाले वक्त में बेहद अहम साबित हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया भर के यूरेनियम संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा है, मगर कुछ कानूनी और तकनीकी अड़चनों की वजह से भारत को अब तक इसका लाभ नहीं मिल सका। अब ताजा समझौते के बाद भारत को अपनी परमाणु ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए ईंधन का एक अहम स्रोत मिल सकेगा। हालांकि मौजूदा दौर में विश्व जिस स्तर के तनावों से गुजर रहा है, उसमें यूरेनियम के उपयोग को लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं। मगर इस मसले पर दोनों देशों ने यह साफ किया है कि सिर्फ शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए दीर्घकालिक यूरेनियम निर्यात की अनुमति होगी और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के तय सुरक्षा प्रावधानों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। साथ ही दोनों देश खनिज गलियारे को विकसित करने के क्षेत्र में भी साझेदारी करेंगे, जिससे चीन पर निर्भरता कम होगी। समुद्री सुरक्षा सहयोग के मसले पर हुए समझौते के बाद यह भी उम्मीद की जा रही है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने के लिए साझा प्रयासों को नई रफ्तार मिलेगी और इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे के बरक्स संतुलन का एक मोर्चा खड़ा किया जा सकेगा। जाहिर है, दोनों देशों के बीच संबंधों में विविधता लाने पर जोर देने के प्रयासों के तहत सहमति बनी है। मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि इसका मूल आधार एक-दूसरे की जरूरतों के लिए समानता पर आधारित आर्थिक सहयोग हो और यह भारतीय हितों को सुनिश्चित करने वाला हो।

ढहती इमारतें बता रही हैं शहरों की सबसे बड़ी कमजोरी

किसी एक हादसे के बाद का सबक यह होना चाहिए कि ऐसे तमाम इंतजामों को लेकर हर स्तर पर सतर्कता बरती जाए, जिससे भविष्य में वैसी स्थितियों से बचा जा सके। दिल्ली के साकेत इलाके में हाल ही में एक इमारत गिरने और उसमें कई लोगों के मारे जाने की त्रासदी सामने आई थी। मगर उसके बाद भी संबंधित महकमों को नींद से जागना जरूरी नहीं लगा। नतीजतन, दिल्ली के ही रोहिणी इलाके में बुधवार को भारी बारिश के दौरान एक चारमंजिला इमारत ढह गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की जान चली गई। सवाल है कि ऐसा किसकी लापरवाही से हुआ और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। गौरतलब है कि हादसे से पहले इमारत लगभग बन चुकी थी और अंतिम दौर में जल आपूर्ति और अपशिष्ट निकासी के लिए पाइप लगाने का काम चल रहा था। ऐसे में इमारत गिरने की आखिर क्या वजह हो सकती है? अगर इस इमारत का नक्शा 'सरल योजना' के तहत मंजूर किया गया था, तो क्या यह सुरक्षा मानकों पर खरा था? इसकी पहले से

जांच होती, तो शायद हादसा टल सकता था। यह बेवजह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश भर में गैरकानूनी या असुरक्षित इमारतों और बुनियादी ढांचे से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली, गुरुग्राम, पटना और तमिलनाडु के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। अदालत ने उन जर्जर इमारतों को गिराने या खाली कराने के लिए की गई कार्रवाई के संदर्भ में स्थिति का ब्योरा मांगा है, जिनसे आपदा का खतरा हो सकता है। दरअसल, वर्षों से आवास निर्माण संबंधी नियमों की अनदेखी होती आई है। यही वजह है कि अनियोजित तरीके से शहर बसते चले गए। पुणे में तो कचरे के पहाड़ के पास इमारत खड़ी कर ली गई। नतीजा यह कि बुधवार को बारिश के बाद कचरे के भारी दबाव की वजह से इमारत गिर गई। दिल्ली में जिस तरह से अनियोजित निर्माणों को बढ़ावा मिला है, उसी का परिणाम है कि आए दिन इमारतें गिरती हैं। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जवाबदेही क्यों नहीं तय की जा रही है। गैर-अधिसूचित क्षेत्रों और अनधिकृत कॉलोनियों में प्रायः भवन उपनियमों का उल्लंघन कर कई मंजिला इमारतें बनाई जाती हैं, तो इसे क्यों नहीं रोका जाता।

आज का कार्टून

जंगलों से गुम होती महुआ की विरासत...

महुआ के क्षरण के पीछे कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं है। जलवायु परिवर्तन से फूल आने के समय में बदलाव, अत्यधिक चराई, अनियंत्रित मौसमी आग, भूमि-विघटन, सड़क चौड़ीकरण, कृषि पद्धतियों में परिवर्तन तथा महुआ पौधों के सीमित रोपण जैसे अनेक कारक मिलकर इसकी नई पीढ़ी को कमजोर कर रहे हैं। सहायक प्राकृतिक पुनरुद्धार, क्षीण हिस्सों में संवर्धन रोपण और कृषि-वानिकी प्रणालियों में महुआ को शामिल करने से मौजूदा पेड़ों पर दबाव कम किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सौ वर्ष से अधिक पुराने विरासत वृक्षों के रखरखाव की जो पहल शुरू हुई है, वह वास्तव में महुआ संरक्षण के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। पारिस्थितिकीय गिरावट कभी नाटकीय रूप से नहीं होती। पेड़ अचानक नहीं मिटते। वे धीरे-धीरे ढल जाते हैं, जब उनकी अगली पीढ़ी लड़खड़ाने लगती है। इसलिए महुआ के भविष्य की सुरक्षा न केवल एक पारिस्थितिकीय चुनौती है, बल्कि आजीविका का सवाल भी है।

आदित्य कुमार यादव

मध्य भारत के जंगलों में पिछले कई वर्षों के अनुभव बताते हैं कि महुआ के वृक्ष धीरे-धीरे बदल रहे हैं, लेकिन यह बदलाव अक्सर आंकड़ों और दस्तावेजों से ओझल रह जाता है। वन से जुड़े विशेषज्ञ गाजीपुर, बलिया और जौनपुर जैसे जिलों में इसे बारीकी से महसूस करते रहे हैं। गांवों की अर्थव्यवस्था में महुआ सिर्फ एक वृक्ष नहीं, बल्कि एक जीवनरेखा है, खासकर उन परिवारों के लिए जो जंगलों पर निर्भर हैं।

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। इसके बीजों से निकलने वाला तेल रसोई और औषधि का हिस्सा होता है, जबकि महुआ के पेड़ की घनी छांव पशुओं के लिए आराम की जगह बनाती है, लेकिन अब यह मौसमी दृश्य धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है।

महुआ केवल एक वन वृक्ष नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शुष्क वन पारिस्थितिकी का आधार है। इसके फूल भोजन, पेय और पशु चारे के रूप में उपयोग होते हैं, जबकि बीजों से निकला तेल खाद्य, औषधीय और घरेलू उपयोग में आता है। इसकी पत्तियां पारंपरिक पत्तल-दोने बनाने में काम आती हैं और घनी पत्तियां गर्मी में पशुओं तथा वन्यजीवों को छाया प्रदान करती हैं। कृषि के सुस्त मौसम में इसके फूल मधुमक्खियों जैसे परागणकों के लिए भी भोजन के महत्त्वपूर्ण स्रोत होते हैं।

महुआ की अहमियत केवल इसके प्रत्यक्ष उपयोगों तक सीमित नहीं है। यह शुष्क वनों की पारिस्थितिकी, स्थानीय जैव विविधता और वन-आधारित आजीविका का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। अनेक आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए यह केवल आय का स्रोत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं, स्थानीय ज्ञान और खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ वृक्ष है। इसलिए महुआ का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे सामाजिक और पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने का सवाल है।

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिपक्व वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही।

महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा। देरी से पड़ने वाली सर्दियों की बारिश और लंबी सूखा अवधियों ने फूलों को या तो कम कर दिया है या फिर उनके खिलने का समय ही बदल गया है। नतीजतन, फूल बीनने वाले परिवारों के लिए यह मौसम पहले जितना भरोसेमंद नहीं रह गया है।

यह दबाव केवल जंगलों तक सीमित नहीं है। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत के कृषि परिदृश्यों में बिखरे हुए बड़े पेड़ों में गिरावट दर्ज की गई है। अध्ययन में पाया गया कि वर्ष 2010-11 में मौजूद बड़े कृषि-वृक्षों में लगभग 11.2 प्रतिशत वृक्ष 2018 तक गायब हो चुके थे। इसके बाद 2018 से 2022 के बीच 50 लाख से अधिक बड़े वृक्ष और लुप्त हो गए। इसे शोधकर्ताओं ने बदलती कृषि पद्धतियों से जोड़कर देखा है। ग्रामीण विकास के तहत सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान महुआ के सैकड़ों पुराने पेड़ उखाड़ दिए गए, जो दशकों से ग्रामीण सड़कों की शोभा बढ़ा रहे थे। इससे भी चिंताजनक सांस्कृतिक अंतराल है। एक समय था जब गांव के चौपालों, चरागाहों और खेतों की मेड़ों पर महुआ के पेड़ दिखाई देते थे। इसकी पत्तियों से पत्तल बनाई जाती थी, जो सामुदायिक भोज और शादियों का अभिन्न हिस्सा थीं। मगर अब प्लास्टिक की प्लेटों ने पत्तलों की जगह ले ली है, जिससे एक ओर आजीविका प्रभावित हुई है, तो दूसरी ओर महुआ की सांस्कृतिक पहचान भी फीकी पड़ गई है। बुजुर्ग अब भी याद करते हैं कि कैसे एक पीढ़ी पहले खेतों के किनारे महुआ के वृक्षों की कतारें होती थीं, जो अब नजर नहीं आतीं।

कुछ राज्यों में संगठित खरीद और मूल्य-वर्धन योजनाओं से महुआ संग्रह करने वालों को लाभ तो हुआ है, लेकिन प्रसंस्करण और बाजार तक सीमित पहुंच के कारण इसकी आर्थिक क्षमता का पूरा लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुंच पाया है। क्षेत्रीय अनुभव बताते हैं कि बहुत से सरल उपाय महुआ के संरक्षण में मदद कर सकते हैं। उन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, जहां यह प्रजाति आम है, साथ ही पेड़ों की आयु संरचना और बीजों की जीवित रहने की दर पर नजर रखना आवश्यक है। गांव के स्तर पर फूल बीनने के मौसम में जमीन पर आग लगाने पर नियंत्रण जरूरी है। इससे विशेष रूप से मानसून के शुरुआती महीनों में, जब नए पौधे निकलते हैं, तब इनके जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

सबसे अहम है सामुदायिक भागीदारी। जब लोगों को समझाया जाता है कि पौधों की रक्षा करना क्यों जरूरी है, तो वे इसे अपना लेते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से आज के पौधरोपण अभियानों में अक्सर तेजी से बढ़ने वाली या फल देने वाली प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाती है। महुआ के पौधे शायद ही मांगे जाते हैं, जिससे स्थानीय नर्सरियों में इनकी उपलब्धता न के बराबर हो जाती है। दो मत नहीं कि सरकारी नर्सरियों में महुआ को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

महुआ के क्षरण के पीछे कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं है। जलवायु परिवर्तन से फूल आने के समय में बदलाव, अत्यधिक चराई, अनियंत्रित मौसमी आग, भूमि-विघटन, सड़क चौड़ीकरण, कृषि पद्धतियों में परिवर्तन तथा महुआ पौधों के सीमित रोपण जैसे अनेक कारक मिलकर इसकी नई पीढ़ी को कमजोर कर रहे हैं। सहायक प्राकृतिक पुनरुद्धार, क्षीण हिस्सों में संवर्धन रोपण और कृषि-वानिकी प्रणालियों में महुआ को शामिल करने से मौजूदा पेड़ों पर दबाव कम किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सौ वर्ष से अधिक पुराने विरासत वृक्षों के रखरखाव की जो पहल शुरू हुई है, वह वास्तव में महुआ संरक्षण के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

पारिस्थितिकीय गिरावट कभी नाटकीय रूप से नहीं होती। पेड़ अचानक नहीं मिटते। वे धीरे-धीरे ढल जाते हैं, जब उनकी अगली पीढ़ी लड़खड़ाने लगती है। इसलिए महुआ के भविष्य की सुरक्षा न केवल एक पारिस्थितिकीय चुनौती है, बल्कि आजीविका का सवाल भी है। यदि समय रहते निगरानी, सामुदायिक सहयोग और संस्थागत समर्थन मिल जाए, तो यह अनमोल वृक्ष भारत के सूखे जंगलों में फिर से पनप सकता है।

डर से नहीं, अपने ही संदेह से हारता है इंसान...

इंसान के जीवन में अनेक प्रकार की चुनौतियां आती हैं। कभी परिस्थितियां कठिन होती हैं, कभी संसाधनों का अभाव होता है और कभी लोगों का साथ नहीं मिलता। अगर गहराई से देखा जाए, तो जीवन की सबसे बड़ी बाधा बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारे मन में बसे हुए डर, आशंकाएं और संदेह होते हैं। यही वे अदृश्य दीवारें हैं, जो हमारे कदमों को रोकती हैं, सपनों को सीमित करती हैं और हमारी संभावनाओं के आकाश को छोटा बना देती हैं। वास्तव में मनुष्य जितना बाहरी संघर्षों से नहीं हारता, उससे कहीं अधिक वह अपने भीतर की नकारात्मक सोच और भय से हार जाता है।

ममता कुशवाहा

डर मनुष्य का स्वाभाविक भाव है। यह हमें सावधान रहने की प्रेरणा देता है, लेकिन जब यही डर हमारे निर्णयों पर हावी होने लगता है, तो वह विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट बन जाता है। डर हमारे जीवन के हर क्षेत्र में अलग-अलग रूप धारण कर लेता है। वह कभी असफलता का, तो कभी आलोचना का डर बनकर और कभी भविष्य की अनिश्चितताओं की चिंता बनकर सामने आता है।साहस का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति के भीतर कोई डर नहीं है। संसार में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसने कभी भय का अनुभव न किया हो। साहस का वास्तविक अर्थ है डर को स्वीकार करना और उसके बावजूद आगे बढ़ना। जैसे एक नाविक समुद्र के तूफानों से परिचित होते हुए भी यात्रा पर निकलता है, वैसे ही साहसी व्यक्ति भी कठिनाइयों और आशंकाओं को जानते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहता है। इतिहास के महान लोगों ने भी असफलताएं देखीं, आलोचनाएं सुनीं, लेकिन उन्होंने अपने भय को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

हमारे जीवन में सबसे तीखी लड़ाई अक्सर बाहरी दुनिया से नहीं, बल्कि अपने ही मन से होती है। मन में एक आवाज लगातार उठती रहती है– 'तुम नहीं कर पाओगे... तुम पर्याप्त योग्य नहीं हो... अगर असफल हो गए तो क्या होगा?' यह नकारात्मक आवाज धीरे-धीरे हमारे आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है। जब हम बार-बार इन विचारों को सच मानने लगते हैं, तब हमारे सपने भी छोटे होने लगते हैं। लेकिन जिस दिन हम इस आंतरिक आवाज को चुनौती देना सीख लेते हैं, उसी दिन से परिवर्तन की शुरुआत हो जाती है। हम समझने लगते हैं कि हमारी सीमाएं उतनी नहीं हैं, जितनी हमने अपने मन में बना रखी हैं।

जीवन की अनेक सफलताओं का आधार आत्मविश्वास होता है। आत्मविश्वास कोई जन्मजात गुण नहीं, बल्कि अनुभवों और प्रयासों से विकसित होने वाली शक्ति है। जब हम छोटे-छोटे कदम उठाते हैं और अपने डर का सामना करते हैं, तब हमारा विश्वास मजबूत होता जाता है। जैसे कोई बच्चा गिरते-पड़ते चलना सीखता है, वैसे ही मनुष्य भी संघर्षों और असफलताओं के बीच आगे बढ़ना सीखता है। अगर वह गिरने के डर से कभी चलने का प्रयास ही न करे, तो जीवन भर एक ही स्थान पर खड़ा रह जाएगा। इसलिए सफलता का पहला कदम साहस है और साहस का पहला कदम डर का सामना करना है।

अक्सर हम भविष्य की चिंताओं में इतने उलझ जाते हैं कि वर्तमान की संभावनाओं को देख ही नहीं पाते। मन काल्पनिक आशंकाओं का ऐसा जाल बुन लेता है कि वास्तविक अवसर भी दिखाई नहीं देते। जबकि जीवन का सत्य यह है कि भविष्य किसी के नियंत्रण में नहीं है। हमारे हाथ में केवल वर्तमान क्षण है। जब हम पूरे मन से वर्तमान में कार्य करना सीख जाते हैं, तब भविष्य की चिंता स्वतः कम होने लगती है।

जीवन में असफलता भी डर का एक बड़ा कारण होती है। समाज ने सफलता को इतना महिमामंडित कर दिया है कि लोग असफल होने से घबराने लगे हैं। सच्चाई यह है कि असफलता कोई अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का अवसर है। बीज को वृक्ष बनने से पहले मिट्टी में दबना पड़ता है, अंधेरे का सामना करना पड़ता है। उसी प्रकार मनुष्य को भी सफलता प्राप्त करने से पहले संघर्ष और असफलताओं के दौर से गुजरना पड़ता है। जो व्यक्ति असफलता से डरकर प्रयास करना छोड़ देता है, वह अपने भीतर छिपी संभावनाओं को कभी नहीं जान पाता। साहस केवल बड़े कार्यों में ही नहीं, बल्कि जीवन के छोटे-छोटे निर्णयों में भी दिखाई देता है। सत्य बोलने का साहस, अपनी गलतियों को स्वीकार करने का साहस, नए रास्तों पर चलने का साहस, अपने सपनों का पीछा करने का साहस–ये सभी जीवन को नई दिशा देते हैं। साहस वह दीपक है, जो अंधकारमय परिस्थितियों में भी रास्ता दिखाता है। जब परिस्थितियां प्रतिकूल होती हैं, तब यही साहस हमें टूटने से बचाता है और आगे बढ़ने की शक्ति देता है। दरअसल, मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसके भीतर ही छिपी होती है, लेकिन उसे पहचानने के लिए डर की दीवारों को तोड़ना आवश्यक है। जब हम अपने भय से ऊपर उठते हैं, तब हमें अपने भीतर अनंत संभावनाओं का संसार दिखाई देता है। जो लक्ष्य कभी असंभव प्रतीत होते थे, वे धीरे-धीरे साकार होने लगते हैं। हमारी दृष्टि व्यापक होती है, हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है।

जीवन की सबसे बड़ी बाधा बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि हमारे मन की आशंकाएं और डर हैं। साहस का अर्थ डर का अभाव नहीं, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ने की क्षमता है। जो व्यक्ति अपने भीतर उठने वाली नकारात्मक आवाज को चुनौती देना सीख लेता है, वह जीवन की हर कठिनाई पर विजय प्राप्त कर सकता है। डर हमें रोकता है, जबकि साहस हमें उड़ना सिखाता है। इसलिए जीवन में जब भी भय सामने आए, उससे भागने के बजाय उसका हाथ पकड़कर आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि मंजिल उन्हीं को मिलती है, जो डर की छाया से निकलकर साहस के प्रकाश में चलना सीख जाते हैं।

दिनदहाड़े 3.20 लाख की चोरी करने वालों को ग्रामीणों ने पकड़ा

तोपचांची (ससे) : धनबाद जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग१९ पर दिनदहाड़े ३ लाख २० हजार की चोरी की वारदात को ग्रामीणों की सतर्कता ने नाकाम कर दिया। स्कॉर्पियो सवार चार अपराधी पिकअप चालक से रुपये चुराकर भाग रहे थे, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरी रकम बरामद कर ली है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। घटना सुबह करीब साढ़े १० बजे की है। सब्जी व्यवसाय से जुड़े एक पिकअप चालक का चौपारण से ही स्कॉर्पियो सवार चार अपराधी पीछा कर रहे थे। जैसे ही चालक तोपचांची के साहूबहियार स्थित एक होटल के पास रुका, अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से मोटरसाइकिल की पुरानी चाबी की मदद से पिकअप का दरवाजा खोला और उसमें रखे ३ लाख २० हजार लेकर फरार हो गए।

चालक ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण सक्रिय हो गए। ग्रामीणों ने स्कॉर्पियो का पीछा कर लेदाटांड़ के पास वाहन को घेर लिया। इस दौरान तीन आरोपियों को मौके पर पकड़ लिया गया, जबकि एक आरोपी भागने में सफल रहा। सूचना मिलने पर तोपचांची थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और आरोपियों को हिरासत में ले लिया। बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने इस संबंध में एक प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई ३ लाख २० हजार की पूरी राशि, घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो, चार मोबाइल फोन और पिकअप का लॉक खोलने में इस्तेमाल किया गया पुरानी चाबी का गुच्छा बरामद किया है। इस मामले में तोपचांची थाना कांड संख्या ७२/२०२६ के तहत मामला दर्ज किया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

हीरापुर में चोरी करतीं दो महिलाएं गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : हीरापुर स्थित एक कॉस्मेटिक दुकान से चोरी करती दो महिलाओं को दुकानदार और कर्मचारियों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामला धनबाद थाना क्षेत्र के हीरापुर स्थित चाइना मार्केट का है। दुकान संचालक विकी कुमार के अनुसार, पिछले दो-तीन दिनों से उनकी दुकान से लगातार कॉस्मेटिक सामान गायब हो रहे थे। संदेह होने पर उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी, जिसमें दो महिलाएं चोरी करती हुई दिखाई दीं।

सुबह जब दोनों महिलाएं फिर से दुकान पर पहुंचीं तो दुकानदार और कर्मचारियों ने उन पर नजर रखी। जैसे ही उन्होंने सामान चोरी करने की कोशिश की, दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। इसके बाद तुरंत सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई। दुकानदार ने पहले की चोरी से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंप दिए हैं। पुलिस दोनों महिलाओं से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं वे किसी संगठित चोरी गिरोह का हिस्सा तो नहीं हैं। मामले की जांच जारी है।

हरे कृष्णाहरे राम के जयघोष से गूंजा दामोदरपुर

धनबाद (कासं) : धनबाद के दामोदरपुर स्थित मोयराटोला में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से १६ प्रहर के भव्य अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरे क्षेत्र का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है।

अनुष्ठान की शुरुआत पुजारी श्यामल गोस्वामी द्वारा पूर्ण विधिविधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजाअर्चना कराकर की गई। इसके उपरांत अखंड हरि कीर्तन का संकल्प लिया गया। कीर्तन के पहले दिन सुप्रसिद्ध कीर्तनिया रिंकू भंडारी के नेतृत्व में नित्यानंद मिलन' पाला कीर्तन किया गया, जिसने भक्तों को भावविभोर कर दिया। वहीं दूसरी रात को रासलीला पाला कीर्तन किया गया, जिसमें श्रीकृष्ण और गोपियों की लीलाओं को संगीत के माध्यम से जीवंत किया गया। कीर्तन के दौरान पूरा माहौल राधाकृष्ण की भक्ति में सराबोर नजर आया। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे; हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे के महामंत्र और जयघोष से पूरा दामोदरपुर क्षेत्र गुंजायमान होता रहा। झांझ, मंजीरे और मृदंग की थाप पर भक्त झूमतेनाचते नजर आए। आयोजनकर्ता दीन दुखी आश्रम के अध्यक्ष शिवप्रसाद मंडल ने कहा कि हरि कीर्तन के आयोजन से न केवल पूरे गांव में सुख, शांति और समृद्धि आती है, बल्कि अच्छी बारिश की कामना और भक्तों के मन को परम शांति भी मिलती है।

वहीं इस कीर्तनिया मंडली में रिंकू भंडारी के साथ, राजू भंडारी, सनोज कुमार, नंद दास, सोनाय साधु आदि अपनी सुरीली प्रस्तुतियों से समां बांध रहे हैं। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल और ऐतिहासिक बनाने में समस्त दामोदरपुर के ग्रामवासियों का सराहनीय एवं सक्रिय सहयोग रहा है।

गोविन्दपुर पूर्वी मंडल भाजपा अध्यक्ष का अभिनंदन

गोविंदपुर (ससे) : भाजपा गोविंदपुर पूर्वी मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष गोविंद राय का अभिनंदन समारोह आयोजित कर स्वागत किया गया। भाजपाइयों ने उन्हें पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने निर्धारित क्षेत्र (मंडल) में पार्टी संगठन को मजबूत करना, बूथ स्तर की समितियों का गठन कर मजबूत करने और पार्टी की नीतियों व जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर विचारविमर्श किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष गोविंद राय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने गोविंदपुर पूर्वी मंडल को संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प भी लिया।

अभिनंदन समारोह में मंडल प्रभारी सह जिला मंत्री जया कुमार, बलराम प्रसाद साव, ओमप्रकाश बजाज, पूर्व मंडल अध्यक्ष तालेश्वर साव व सुबोध सिंह, जग्गू साव, कृटि भूषण रूज, संतराम सिंह चौधरी, विश्वनाथ पाल, अरुण दसौंधी, अनूप साव, खगेन सिंह चौधरी, राजा सिंह चौधरी, शिवा गोस्वामी, भरत हजारी, युधिष्ठिर महतो, बमबम साव, अमित ओझा, सुदीप मजूमदार, संजीव सिंह, अनूप सेन सहित बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सत्यनारायण मंदिर में की गई जगन्नाथ महाप्रभु की स्तुति

झरिया (ससे) : श्री सत्यनारायण मंदिर स्टेशन रोड झरिया में संस्कृत पाठशाला में आगामी रथयात्रा को ध्यान में रख कर भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की स्तुति का अभ्यास कराया गया।

सभी विद्यार्थियों ने एक स्वर में जगन्नाथ स्वामी नयनपथगामी भवतू मे गाया। इसके अलावा संस्कृत में अंताक्षरी पहाड़ा संस्कृत संभाषण वार्तालाप गीत इत्यादि पढ़ाया गया। संस्कृत पढ़ाने का कार्य हरीश कुमार जोशी अधिवक्ता ने किया एवं प्रसाद वितरण स्व कमलाबेन मुकुंदभाई त्रिवेदी एवं स्व वर्षा बेन प्रहलादभाई त्रिवेदी की स्मृति में सतीश भाई त्रिवेदी एवं हेमेनभाई त्रिवेदी मुंबई द्वारा किया गया।

इसके अलावा पर्यावरण को ध्यान में रख कर पाठशाला के विद्यार्थियों के द्वारा अपने घरों से छोटे गमले पुरानी बोतल को काट कर बनाए गए गमले मिट्टी भर कर लाये गए थे में सुखलाल वैद्य द्वारा औषधीय गुणों द्वारा युक्त बीज बोये गए। जिसमें विद्यार्थी अपने घरों में प्रतिदिन पानी देंगे पौधे के अंकुरित होने और पौधे के विकसित होने पर तीन महीने बाद जिनका पौधा उत्तम प्रकार से विकसित होगा उन्हें पुरस्कार देने की घोषणा की गई। इस अवसर पर हर्षिका गोयल, चेल्सी गोयल, माहिरा कुमारी, अनन्या कुमारी, त्रिशा कुमारी, प्राची कुमारी, सौम्या कुमारी, आरुषि कुमारी, खुशी कुमारी, ऋतुराज कुमार, अनिकेत इत्यादि उपस्थित थे।

हाईवा की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

निरसा (ससे) : निरसा स्थित ईसीएल मुगमा क्षेत्र की चापापुर कोलियरी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में ७० वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। कोयला परिवहन में लगे एक हाईवा की चपेट में आने से बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आउटसोर्सिंग कंपनी का काम बंद करा दिया और शव के साथ धरने पर बैठकर मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। घटना दोपहर करीब १२ बजे की है। मृतक की पहचान जामताड़ा निवासी ७० वर्षीय चांदु हेमब्रम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह पैदल चापापुर कोलियरी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक हाईवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि हाईवा का पिछला चक्का उनके सिर के ऊपर से गुजर गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने आउटसोर्सिंग कंपनी का काम बंद करा दिया और शव को सड़क पर रखकर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को स्थायी नियोजन देने की मांग की। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए सीआईएसएफ और निरसा थाना पुलिस की टीम पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

फिलहाल स्थानीय जनप्रतिनिधि, कंपनी प्रबंधन और मृतक के परिजनों के बीच वार्ता जारी है। प्रशासन लोगों को समझाने का प्रयास कर रहा है ताकि मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सके। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं देने पर हंगामा

धनबाद (कासं) : धनबाद के श्रीश्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट महिला महाविद्यालय यानी एसएसएलएनटी में आयोजित पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के दौरान उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब कई अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। इससे नाराज छात्रछात्राओं ने कॉलेज के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते हुए परीक्षा प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। अभ्यर्थियों का आरोप है कि आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करने के निर्देश के बाद वे अनुमति लेकर बाहर जेरॉक्स कराने गए, लेकिन वापस लौटने पर उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश से रोक दिया गया। पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए धनबाद के एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा शुरू होने से पहले उन्हें आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करने को कहा गया।

परीक्षा नियंत्रक और कॉलेज प्राचार्य से अनुमति मिलने के बाद वे बाहर फोटोकॉपी कराने गए। उनका दावा है कि वे निर्धारित समय के भीतर लौट आए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। प्रवेश से वंचित अभ्यर्थियों ने परीक्षा प्रबंधन पर लापरवाही और अनावश्यक सख्ती का आरोप लगाया। उनका कहना है कि यदि आधार की फोटोकॉपी अनिवार्य थी तो इसकी जानकारी एडमिट कार्ड या पूर्व सूचना में स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए थी। साथ ही परीक्षा केंद्र पर ही फोटोकॉपी की व्यवस्था भी होनी चाहिए थी। अभ्यर्थियों का कहना है कि इस घटना से उनकी महीनों की मेहनत और भविष्य प्रभावित हुआ है। घटना के बाद काफी देर तक एसएसएलएनटी कॉलेज के मुख्य गेट पर हंगामे का माहौल बना रहा। हालांकि परीक्षा प्रबंधन की ओर से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब अभ्यर्थी इस मामले में न्याय और परीक्षा प्राधिकरण से उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

झारखंड जन उत्सव संचालन समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : झारखंड जन उत्सव जिला संचालन समिति के नेतृत्व में धनबाद अंचल के विभिन्न जनसंगठनों को लेकर एक बैठक बी.टी. रणदीवे भवन, प्रेमचंद नगर, धनबाद में की गई। बैठक की अध्यक्षता रामबालक ने की। बैठक में कई जन संगठनों के नेतृत्वकर्ता उपस्थित थे। सबों ने झारखंड की संस्कृति, क्रांतिकारी संघर्ष की विरासत, सामूहिकता और प्रगतिशील लोक चेतना के संरक्षण का संकल्प लिया। इस संकल्प के अंतर्गत शहीद बिरसा मुंडा की जयंती तक चित्रकला, लेख, खेलकूद प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक एवं संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धनबाद अंचल जनसंगठनों का साझा मंच का एक संचालन समिति बनाया गया, जिसमें हेमंत मिश्रा को अंचल संयोजक और राम बालक को उप संयोजक बनाया गया। इसमें कई उपसमितियां बनाई गई। इस अवसर पर जिला संचालन समिति धनबाद का उप संयोजक भारत भूषण दिशानिर्देश करने हेतु बैठक में उपस्थित थे। बैठक में सीटू से संबंधित बीसीक्यू, बीएसएसआर यूनियन सहित जनवादी लेखक संघ, जन विज्ञान समिति, मजदूर कर्मचारी समन्वय समिति तथा कई स्वतंत्र संगठनों के नेतृत्व साथी उपस्थित थे, जिसमें सीटू जिला महामंत्री रामकृष्णा पासवान के अलावा सपन माजी, बी डी गोस्वामी, अशोक कुमार, हेमंत मिश्रा, एस पी गंगोली, लीलामय गोस्वामी, अरिन्दम विश्वास, प्रामाणिक आदि उपस्थित थे।

डालसा के मेगा कैम्प का आयोजन

धनबाद (कासं) : न्याय केवल न्यायालयों की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक अधिकार, सम्मान और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। इसी सोच को साकार करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), धनबाद द्वारा बीसीसीएल के अनुपूर्णा भवन में आयोजित मेगा लीगल इंपावरमेंट कैम्प जनसेवा, और न्याय का सशक्त संगम बन गया। अधिकार, आपका प्रयास हमारा के अभियान के तहत एक ही मंच से करोड़ों रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ, वहीं विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं ने सैकड़ों

जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई उम्मीद का संचार किया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के चयनित लाभुकों के बीच करोड़ों रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण किया। समारोह में बीसीसीएल के सीएमडी, मनोज अग्रवाल सीटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, महासचिव जितेंद्र कुमार, जिले के न्यायिक पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम तथा बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, किड्ज क्लब ग्रुप, सेवा और समर्पण संस्था के छात्रछात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। धनबाद लॉ कॉलेज तथा असर्फी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एजुकेशन के विधि छात्रों ने भी कार्यक्रम में अपनी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

अपने संबोधन में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल कोयला उत्पादन के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता प्रत्येक नागरिक का अधिकार है तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं सहज रूप से पहुँचना आवश्यक है, जिससे समावेशी एवं संतुलित समाज की कल्पना को साकार किया जा सके। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित जनजागरूकता एवं विधिक सहायता संबंधी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में विधिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल भविष्य में भी जिला प्रशासन एवं अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर जनहित एवं सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों में निरंतर सहयोग प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। इन स्टॉलों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथसाथ पात्र लाभुकों को मौके पर ही आवश्यक परामर्श और सहायता भी उपलब्ध कराई गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी ली तथा लाभुकों से संवाद कर उनकी समस्याओं से भी अवगत हुए। अपने उद्बोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों को सुलभ, त्वरित एवं नि:शुल्क न्याय उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि न्याय तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इसी उद्देश्य से डालसा और लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की समर्पित टीम लगातार कानूनी सहायता, विधिक जागरूकता और सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में संचालित ९० दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत जिले के गाँवों, पंचायतों, विद्यालयों और दूरस्थ क्षेत्रों में लगातार शिविर आयोजित कर लोगों को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के तहत समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला प्रशासन के साथ आयोजित यह मेगा लीगल इंपावरमेंट कैम्प सामाजिक सरोकार और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है तथा भविष्य में भी बीसीसीएल ऐसे प्रयासों में अपना पूरा सहयोग देता रहेगा। उन्होंने कहा कि न्याय केवल कोर्ट रुम तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक घर प्रत्येक परिवार और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। यही हमारे संविधान की आत्मा है, यही भारत की आधारशिला है।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि जिला प्रशासन और डालसा का साझा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे मेगा शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम बन रहे हैं तथा प्रशासन आगे भी इसी प्रकार के जनहितकारी प्रयास जारी रखेगा। बार एसोसिएशन के महासचिव जितेन्द्र कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह मेगा लीगल इंपावरमेंट कैम्प न्याय को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में एक सराहनीय और अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता केवल न्यायालय में पक्षकारों का प्रतिनिधित्व करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में विधिक जागरूकता फैलाने और जरूरतमंद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न विभागों द्वारा चयनित लाभुकों को परिसंपत्तियों एवं सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब न्यायपालिका, प्रशासन और सार्वजनिक उपक्रम समाज के हित में एकजुट होकर कार्य करते हैं, तब न्याय केवल कानूनी अधिकार नहीं रहता, बल्कि जनविश्वास, सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास का सशक्त माध्यम बन जाता है।

कार्यक्रम के दौरान कविता देवी एवं उनके समूह को ३ करोड़ ७६ लाख का चेक प्रदान किया गया, पप्पू पासवान भूमि अधिग्रहण, मुआवजे, के एवज में २९ लाख का मुआवजे का चेक दिया गया। रिया कुमारी, सरिता कुमारी, अंजली कुमारी को नियुक्ति पत्र हाथियों के समूह के द्वारा घर तोड़ दिए जाने से परेशान रविलाल मुर्मु को मुआवजे की राशि प्रदान की गई, वहीं दर्जनों लोगों को नियुक्ति पत्र व स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया।

विभिन्न प्रखंडों का अलग-अलग प्रगति का किया समीक्षा

बोकारो (ससे): रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष से वीडियो संवाद के माध्यम से एसआईआर-२०२६ अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने गोमिया, बेरमो, बोकारो एवं चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों का अलग-अलग गणना प्रपत्र वितरण,संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) से प्राप्त की।

समीक्षा के दौरान डीईओ सह डीसी ने स्पष्ट कहा कि केवल गणना प्रपत्रों का वितरण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका समयबद्ध डिजिटाइजेशन भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अधिकारियों को डिजिटाइजेशन कार्य में अपेक्षित गति लाने तथा मतदान केंद्रवार एएसएसडी सूची तैयार करने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

उन्होंने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर बैठकें आयोजित करने तथा १४ जुलाई को सभी मतदान केंद्रों पर प्रस्तावित बीएलओ-बीएलए-२ बैठक एवं चुनाव पाठशाला का सफल संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीईओ सह डीसी ने ऐसे मतदान केंद्रों की भी समीक्षा की, जहां गणना प्रपत्र वितरण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन केंद्रों पर अतिरिक्त प्रयास करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए विशेष रणनीति अपनाने का निर्देश दिया।

वीडियो संवाद में प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिले के सभी ईआरओ एवं एईआरओ उपस्थित थे।

हमें को गंगा जमुना तहजीब की परंपरा कायम रखना है : रामेश्वर महतो

डुमरी (ससे): अभिभावक एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष सह जेएलकेएम नेता रामेश्वर महतो ने रविवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि डुमरी प्रखंड में वर्षों से सभी धर्मों के लोग आपसी भाईचारे,प्रेम और सौहार्द के साथ रहते आए हैं।यदि किसी एक व्यक्ति के द्वारा किसी को धमकी दी गई है और वह दोषी है,तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पर किसी एक व्यक्ति की गलती का दोष पूरे समुदाय विशेष पर मढ़ना न तो उचित है और न ही न्यायसंगत।

जुलूस निकालकर धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले नारे लगाए गए व बयानबाजी की गई वह क्षेत्र के सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है।ऐसे कृत्य समाज में भ्रम,वैमनस्य और तनाव उत्पन्न कर सकता हैं।लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है लेकिन उसका किसी भी राजनीतिक लाभ या वोट बैंक की राजनीति के लिए आम जनता को धर्म के नाम पर विभाजित करने का प्रयास नहीं होना चाहिए।डुमरी की जनता हमेशा शांति सद्भाव और भाईचारे की पक्षधर रही है और इस परंपरा को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने प्रशासन से मांग किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर धमकी देने वाले व्यक्ति के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करे तथा सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि किसी भी प्रकार की अफवाह,नफरत या उकसावे में न आएं और डुमरी की सामाजिक एकता एवं भाईचारे को बनाए रखें।साथ ही गंगा जमुना तहजीब की परंपरा कायम रखें।

प्रशिक्षु उप समाहर्ता व जनप्रतिनिधियों ने किया रथ को रवाना

डुमरी (ससे): अलनीनो के प्रभाव एवं मोटा अनाज को लगाने के लिए किसानों को प्रेरित करने के उद्देश्य से रविवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर से बिरसा कृषि जागरूकता रथ को प्रशिक्षु उप समाहर्ता (प्रोबेशनरी डेप्युटी कलेक्टर) विनय कुमार प्रखंड प्रमुख उषा देवी उपप्रमुख उपेंद्र महतो विधायक प्रतिनिधि बीएन महतो ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किये। रथ तीन दिनों तक प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में भ्रमण कर किसानों को मोटा अनाज के पैदावार करने के लिए प्रेरित करेगी। श्री कुमार ने कहा कि इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के कारण सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है इसलिए किसानों को कम वर्षा आधारित फसल अर्थात मोटा अनाज की फसल लगाने के लिए जागरूक करना है ताकि यदि कम वर्षा हो तो उक्त फसलों के पैदावार में किसी भी प्रकार का परेशानी नहीं हो। कहा कि सरकार ने मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के लिए मिलेट मिशन योजना शुरू किया है।

योजना के तहत किसानों को मोटा अनाज उगाने पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके अंतर्गत प्रति एकड़ ३००० रुपये का अनुदान दिया जाएगा।एक किसान को अधिकतम ५ एकड़ के लिए १५००० रुपये तक का लाभ मिल सकेगा।कहा कि इस योजना का लाभ १० डिसमिल से लेकर ५ एकड़ तक जमीन वाले किसान उठा सकेंगे।

योजना को राज्य की सभी पंचायतों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाना है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए पोषक और कम पानी वाली फसल मोटे अनाज को मुख्यधारा में लाना भी है।वहीं प्रमुख ने कहा कि क्षेत्र में कृषि कार्य मानसून पर आश्रित है और इस साल अलनीनो के कारण वर्षा अपेक्षाकृत कम होने की बात कही जा रही है इसलिए किसानों को वैसे फसलों को लगाने में विशेष ध्यान देना चाहिए जिसमें पानी की आवश्यकता कम हो।इस दौरान बीटीएम मुकेश कुमार एटीएम प्रवीण कुमार कृषक मित्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो आदि उपस्थित थे।

पिपराडीह तिलइयां मोड़ से कंजकिरो तक सड़क निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

नावाडीह (बेरमो) : नावाडीह प्रखंड अंतर्गत कंजकिरो पंचायत में रविवार को डुमरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयराम कुमार महतो ने पिपराडीह तिलइयां मोड़ से कांजकिरो तक बनने वाले लगभग २.२५ किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। यह सड़क निर्माण परियोजना के शुरू होने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। बरसात के दिनों में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक जयराम कुमार महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऊपरघाट में इको पार्क बनाने के दिशा में पहल की ज रही है । साथ ही रोजगार सृजन पर काम किया जा रहा है । यहां के विधायक के नीजी प्रतिनिधि संजय कुमार महतो, प्रखंड अध्यक्ष देवनारायण महतो, विधायक प्रतिनिधि सचिन महतो, खगेन्द्र महतो, सुंदर सिंह, मुखिया सुनिता कुमारी, महावीर महतो आदि उपस्थित थे ।

अनीता देवी एवं मंजू देवी बनीं बोकारो बीएलओ ऑफ द डे

बोकारो (ससे): एसआईआर-२०२६ अभियान के तहत शनिवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ को बोकारो बीएलओ ऑफ द डे के रूप में चिन्हित किया गया है। बेरमो विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-२९४ की बीएलओ अनीता देवी ने एक ही दिन में ६५० गणना प्रपत्रों का वितरण कर सर्वाधिक प्रपत्र वितरित करने का उल्लेखनीय कार्य किया। उनके सुपरवाइजर बिनोद जायसवाल हैं। वहीं, गोमिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-२७५ की बीएलओ मंजू देवी ने एक ही दिन में ३७० गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कर सर्वाधिक डिजिटाइजेशन का रिकॉर्ड बनाया। उनके कार्य में सुपरवाइजर शमशाद अहमद ने सक्रिय सहयोग किया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने दोनों बीएलओ एवं उनके सुपरवाइजर की सराहना करते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मी पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सभी बीएलओ से गणना प्रपत्रों के वितरण,संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटकर एसआईआर-२०२६ अभियान के लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का आह्वान किया।

पलवल में एसआईआर का कार्य अंतिम चरण में, 14 तक चलेगा अभियान

पलवल,(ईएमएस): जिले में चल रहा एसआईआर-२०२६ अभियान अब अपने अंतिम एवं सबसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गया है। १४ जुलाई तक संचालित इस अभियान के समापन में अब केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बीएलओ को अभियान को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

मतदाता सूची का हरेक नाम लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है, इसलिए कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रविवार को भी गणना प्रपत्र भरने एवं जमा करने का कार्य जारी रहेगा। सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्र एकत्रित करेंगे और मतदाताओं को अभियान से जोड़ने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ तय कार्यक्रम के मुताबिक प्रत्येक घर तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूटने न पाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों का समयबद्ध संग्रहण, डिजिटाइजेशन एवं निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है और हरेक अधिकारी और कर्मचारी को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्वहन करना होगा। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

शहीद भगत सिंह के रिश्तेदार के अपहरण का आरोपी पूर्व डीएसपी फरार

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज के ओटीटी पर रिलीज होने और फिर बैन होने के बाद से १९९५ के जसवंत सिंह खालड़ा मामले की नई-नई कड़ियां निकलकर सामने आ रही हैं। खालड़ा के अपहरण और हत्या मामले का एक दोषी एवं शहीद भगत सिंह के रिश्तेदार का अपहरण करने के आरोपी पूर्व डीएसपी जसवंत सिंह बीते दिनों फरार हो गया है। २०२३ में उसे जमानत पर रिहा किया गया था, वह खालड़ा मामले में ही उम्रकैद का सजायाफ्ता था। अब जसवंत सिंह की तलाश जारी है। गौर करने वाली बात यह है कि जसवंत सिंह केवल खालड़ा मामले में ही दोषी नहीं था, बल्कि और भी कई हाई-प्रोफाइल मर्डर में उसका नाम आ चुका था। एक मामले में उसे बाद में माफी भी मिल गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब के तत्कालीन गवर्नर जनरल एसएफ रोड्रिग्स ने पंजाब सरकार की सिफारिश पर जसवंत सिंह की सजा माफ की थी। उसे अमरीक सिंह के अपहरण और हत्या मामले में सात साल कैद की सजा सुनाई गई थी। उसका नाम १९८९ में कुलजीत सिंह धत्त के अपहरण और गायब होने के मामले में भी आया था। धत्त होशियारपुर के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, और वह शहीद भगत सिंह के रिश्तेदार लगते थे, कुलजीत सिंह धत्त भगत सिंह की बहन के दामाद के भाई थे। वह अंबाला जाटन गांव के सरपंच भी रहे थे। भगत सिंह के भतीजे प्रोफेसर जगमोहन सिंह (रिटायर्ड) ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अंग्रेजी राज में जिस तरह से पुलिस लोगों को प्रताड़ित करती थी, उससे अलग स्थिति आज भी नहीं है। आज भी कई बार मासूम लोगों का एनकाउंटर कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ९० के दशक में पंजाब में जो कुछ भी हुआ वह रूह कंपाने वाला है, और जो लोग अपराध करते हैं, उन्हें ही बाद में बड़े पद भी मिल जाते हैं।

उन्होंने बताया कि होशियारपुर की कोर्ट ने डीआईजी एपीएस बासरा और जसपाल सिंह को आईपीसी की धारा ३६४, १२० बी और २१८ के तहत पांच साल की सजा सुनाई थी। धत्त परिवार ने बाद में पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट का रुख किया और मांग की कि उसके मामले में हत्या की धारा भी जोड़ी जाए। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, २६ जुलाई १९८९ को धत्त को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दावा किया कि छिपाए गए हथियारों की बरामदगी के लिए उन्हें ब्यास नदी के पास ले जाया गया और वह नदी में कूदकर गायब हो गए। इस घटना के बाद काफी विरोध प्रदर्शन हुए और १९९० में रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया। १९९३ में रिपोर्ट सौंपी गई और बताया गया कि धत्त को पुलिस ने मार डाला है। इसमें अजित सिंह संधू, जसपाल सिंह, सरदूर सिंह और बासरा का नाम था। संधू ने खुदकुशी कर ली थी, जबकि सरदूर सिंह की २००८ में मौत हुई। पूर्व डीएसपी जसवंत सिंह के फरार होने के बाद उनके आपराधिक इतिहास की परतें एक बार फिर खुल गई हैं, जिससे ९० के दशक के पंजाब में हुई मानवाधिकार उल्लंघनों की भयावह यादें ताजा हो गई हैं।

एसआईआर-2026 : बीएलओ सीता देवी का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बोकारो (ससे): विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-२०२६) अभियान के तहत ३५-बरमो विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-३३८ की बीएलओ सीता देवी ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने मतदान केंद्र के सभी १४१० मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया। साथ ही, उन्होंने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का आंकड़ा १००० के पार पहुंचाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। बीएलओ सीता देवी के इस सराहनीय प्रदर्शन पर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) मनोज कुमार ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके समर्पण एवं कार्यनिष्ठा की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि एसआईआर-२०२६ अभियान की सफलता में बीएलओ की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और अन्य बीएलओ भी इस उत्कृष्ट कार्य से प्रेरणा लेकर निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने भी सभी बीएलओ से गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में पूरी तत्परता के साथ जुटकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की अपील की है। एसआईआर-२०२६ अभियान के तहत जिले में प्रतिदिन उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि अभियान को और अधिक गति मिल सके।

बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही : उमर

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए २० से ३० करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की २६वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में २० से ३० करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो २० करोड़ या १०० करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा

बोकारो (ससे): जिले के कुल १० परीक्षा केंद्रों पर रविवार को पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं परीक्षा संचालन की सतत निगरानी की गई।परीक्षा में कुल ५,९१० परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से ५,४६४ परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि ४४६ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया गया। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच, सुरक्षा व्यवस्था तथा आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सकी।

5 बार जेल चला जाऊंगा, लेकिन एक पैसा नहीं दूंगा: राजपाल यादव

नई दिल्ली(ईएमएस): मशहूर बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। ९ करोड़ रुपये के कर्ज से जुड़े चेक बाउंस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश दिया है। अदालत ने कर्ज चुकाने के वादों का लगातार उल्लंघन करने पर राजपाल यादव के रवैये को बेहद संदिग्ध बताया। मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राजपाल यादव द्वारा दायर की गई सभी २१ याचिकाओं को खारिज कर दिया है, और सेशंस कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए उन्हें प्रत्येक मामले में तीन महीने के कारावास की सजा काटने तथा १.०५ करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है। ये सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। अदालत ने राजपाल यादव के उस कथित बयान पर भी कड़ा संज्ञान लिया जिसे रिकॉर्ड पर लिया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे पांच बार जेल जाने को तैयार हैं, लेकिन एक पैसा भी नहीं देंगे।

इस मामले में राजपाल यादव की पत्नी राधा राजपाल यादव भी आरोपी हैं, जिन्हें कोर्ट ने राहत न देते हुए प्रत्येक मामले में ५ लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान जब अभिनेता के वकील ने प्रोबेशन रिहाई की मांग की तो अदालत ने उनकी इस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने इस बात पर कड़ा संज्ञान लिया कि अभिनेता ने अदालत से किए गए अपने वादों को बार-बार तोड़ा है और अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया है। अदालत ने राजपाल यादव के उस कथित बयान पर भी कड़ा संज्ञान लिया जिसे रिकॉर्ड पर लिया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे पांच बार जेल जाने को तैयार हैं, लेकिन एक पैसा भी नहीं देंगे। यह पहली बार नहीं है जब राजपाल यादव को इस विवाद में जेल जाना पड़ सकता है। इससे पहले नवंबर २०१८ में, ५ करोड़ के मूल कर्ज को न चुका पाने के कारण दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें तीन महीने की सिविल जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद फरवरी २०२६ में, अदालत द्वारा समय बढ़ाने की याचिका खारिज होने पर, राजपाल यादव ने ५ फरवरी २०२६ को दिल्ली की तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था।

जोधपुर एयरपोर्ट का नवीन टर्मिनल हुआ संचालित

जयपुर (ईएमएस): प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ४ जुलाई को राष्ट्र को समर्पित किए गए जोधपुर एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल भवन से नियमित विमान सेवाओं का शुभारंभ हो गया। नवीन टर्मिनल के संचालन के प्रथम दिवस पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रथम उड़ान के यात्री श्री चंद्रवीर सिंह को टिकट एवं स्वागत किट प्रदान कर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस अवसर पर नवीन टर्मिनल पर प्रथम उड़ान से आने वाले सभी यात्रियों का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। लंगा-मांगणियार कलाकारों की मनमोहक लोक प्रस्तुतियों, बैंड बाजे की मंगलध्वनि तथा पुष्पगुच्छ के साथ यात्रियों का अभिनंदन किया गया।

नवीन टर्मिनल परिसर में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण रहा। इस ऐतिहासिक अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने यात्रियों के साथ केक काटकर इस गौरवपूर्ण क्षण का उत्सव भी मनाया। मीडिया से संवाद करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पिछले १२ वर्षों से जोधपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण एवं नवीन टर्मिनल के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे थे। अनेक चुनौतियों एवं बाधाओं के बावजूद आज यह संकल्प पूर्णता तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से ४ जुलाई को लोकार्पित नवीन टर्मिनल से आज नियमित विमान सेवाओं का संचालन प्रारंभ होना जोधपुर एवं समूचे मारवाड़ क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।उन्होंने कहा कि उद्घाटन के अवसर पर किए गए वादे के अनुरूप १२ जुलाई से नियमित विमान सेवाएं प्रारंभ कर दी गई हैं। सूर्योदय के साथ ही नवीन टर्मिनल से परिचालन शुरू होना इस बात का प्रतीक है कि जोधपुर अब आधुनिक नागरिक उड्डयन सुविधाओं के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जागृत मंदिर : कृष्ण लीला धर्म, प्रेम और विनम्रता का संदेश देती है

धनबाद (कासं) : निष्कपट बाल सुलभ चंचलता, वात्सल्य की मधुर अनुभूति और प्रेम की अलौकिक धारा से सराबोर उज्ज्वल शांडिल्य जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखनचोरी, दामोदर लीला तथा गोवर्धन लीला का कान्हा की माखनचोरी वस्तुत: भक्तों के निर्मल हृदय को चुराने की लीला है। भगवान को धन-संपत्ति नहीं, प्रेम, निष्कपटता इंद्र के अहंकार से ब्रज पर संकट आया, तब बालक श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण सच्ची पूजा है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं की झांकी, दामोदर लीला की सजीव प्रस्तुति तथा गोवर्धन धारण की भव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जैसे ही श्रीकृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण किया, पूरा कथा पंडाल गिरिराज धरण की जय ,राधेराधे के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्तिरस में झूमते हुए भगवान की लीलाओं का आनंद लेते रहे। महाराज ने कहा कि यदि मनुष्य अपने जीवन में श्रीकृष्ण की सरलता, प्रेम, करुणा, सेवा और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को आत्मसात कर ले, तो उसका जीवन भी आनंद और शांति से भर जाएगा। कथा के समापन पर भजन-कीर्तन और संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस जागृत मंदिर चीरागोड़ा परिसर नंदगांव और वृंदावन की दिव्य छटा से आलोकित हो उठा। प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर कथावाचक अत्यंत ओजस्वी एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि भगवान की प्रत्येक लीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, प्रेम, विनम्रता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है।

महाराज ने कहा कि नटखट और श्रद्धा प्रिय है। यशोदा मैया द्वारा श्रीकृष्ण को उखल से बाँधने की दामोदर लीला यह सिद्ध करती है कि परमात्मा को किसी शक्ति से नहीं, बल्कि भक्त के प्रेम से बाँधा जा सकता है।

गोवर्धन प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि जब कर समस्त ब्रजवासियों की रक्षा की। यह लीला केवल चमत्कार नहीं, बल्कि अहंकार के पराभव, सामूहिक एकता और प्रकृति संरक्षण का शाश्वत संदेश है। भगवान ने यह भी सिखाया कि प्रकृति, गौवंश और पर्यावरण का सम्मान ही

आधार बनवाने के लिए घंटों कतार में खड़ा रहना स्वीकार्य नहीं : मेयर संजीव

धनबाद (कासं) : धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने जिले में आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्रों की अपर्याप्त संख्या को गंभीर जनसमस्या बताते हुए उपायुक्त को पत्र लिखकर आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी और आधार सेवाओं की लगातार बढ़ रही जरूरत के बावजूद जिले में उपलब्ध आधार केंद्रों की संख्या पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण प्रतिदिन हजारों लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मेयर ने अपने पत्र में कहा है कि आधार कार्ड केवल एक पहचान पत्र नहीं, बल्कि लगभग हर सरकारी और वित्तीय सेवा का आधार बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से लेकर बैंकिंग सेवाएं, छात्रवृत्ति, पेंशन, राशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, मोबाइल सिम, शिक्षा और अन्य कई आवश्यक कार्य आधार से जुड़े हुए हैं। ऐसे में यदि लोगों को आधार नामांकन या अद्यतन के लिए घंटों कतार में खड़ा रहना पड़े, तो यह व्यवस्था की गंभीर कमी को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीमित संख्या में संचालित आधार केंद्रों पर अत्यधिक भीड़ रहती है। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को आधार बनवाने, मोबाइल नंबर अपडेट कराने, बायोमेट्रिक संशोधन एवं अन्य सेवाओं के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार तकनीकी कारणों अथवा भीड़ अधिक होने के कारण लोगों का काम नहीं हो पाता और उन्हें बारबार केंद्रों का चक्कर लगाना पड़ता है।

महापौर ने कहा कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र के साथसाथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी आधार सेवाओं की उपलब्धता बेहद सीमित है। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है और समय पर जरूरी सेवाएं नहीं मिल पाने से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

मेयर संजीव सिंह ने कहा कि आधार प्रत्येक नागरिक के जीवन से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है। इसके बिना आम लोगों के अनेक जरूरी कार्य प्रभावित हो जाते हैं। लेकिन धनबाद में आधार केंद्रों की कमी के कारण लोगों को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है और कई बार बिना काम हुए वापस लौटना पड़ता है। यह स्थिति बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, हमारी प्राथमिकता है कि आम जनता को सरकारी सेवाएं सरल, सुलभ और समयबद्ध तरीके से मिलें। इसी उद्देश्य से मैंने उपायुक्त से आग्रह किया है कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र सहित जिले के सभी प्रमुख प्रखंडों में आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए तथा जहां आवश्यकता हो वहां नए केंद्र खोले जाएं। इससे विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

मेयर ने कहा कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण भी देशभर में आधार सेवाओं के विस्तार और नागरिकों को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दे रहा है। ऐसे में धनबाद जैसे बड़े और घनी आबादी वाले जिले में आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाना समय की मांग है।

उन्होंने उपायुक्त से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस दिशा में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि जिले के नागरिकों को आधार संबंधी सभी सेवाएं सहज, सुलभ एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध हो सकें।

सोशल मीडिया पर प्रसारित बी.एल.ओ. संबंधी खबर भ्रामक व तथ्यहीन

झरिया (ससे) : झरिया विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र संख्या१६७ की बी०एल०ओ० उक्त मतदान केंद्र क्षेत्र के अंतर्गत वीडियो में दिखाई दे रही संबंधित महिला सविता देवी,

ज्योति विश्वकर्मा द्वारा एस.आई.आर. प्रक्रिया के दौरान गणना प्रपत्र के वितरण एवं उसे भरने के एवज में अवैध राशि की मांग किए जाने संबंधी एक खबर प्रसारित की गई थी।

उक्त भ्रामक खबर का त्वरित संज्ञान लेते हुए उपायुक्त-सहजिला निर्वाचन पदाधिकारी, धनबाद आदित्य रंजन द्वारा मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के कड़े आदेश दिए गए थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी - सहअपर जिला दण्डाधिकारी (विधिब्यवस्था), धनबाद द्वारा झरिया विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी, झरिया एवं अंचल अधिकारी, बलियापुर के माध्यम से संयुक्त रूप से मामले की गहन स्थलीय जांच कराई गई।

जांच दल द्वारा समर्पित विस्तृत प्रतिवेदन के अनुसार, एक अन्य महिला द्रौपदी देवी, बी.एल.ए.२ राम जी सिंह तथा स्थानीय २० से २५ मतदाताओं (जिनमें नितेश अग्रवाल, दीपक धीवर आदि शामिल हैं) से प्रत्यक्ष पूछताछ की गई।

पूछताछ के उपरांत यह प्रामाणिक तथ्य प्रकाश में आया कि बी०एल०ओ० ज्योति विश्वकर्मा द्वारा किसी भी प्रकार की अवैध राशि की मांग नहीं की गई थी। संबंधित महिला सविता देवी द्वारा बी०एल०ओ० को फोटो बनवाने के एवज में स्वेच्छा से २० रुपये दिए गए थे, जिसकी पुष्टि स्वयं सविता देवी की बहू ने प्रत्यक्ष रूप से की है (सविता देवी के वर्तमान में मायके में उपस्थित होने के कारण)। इसके अतिरिक्त, अन्य किसी भी मतदाता या गवाह द्वारा बी०एल०ओ० द्वारा प्रपत्र वितरण या भरने के नाम पर किसी भी प्रकार की राशि मांगे जाने की बात से साफ इनकार किया गया है।

अतः जांचोपरांत यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है कि झरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के भाग संख्या१६७ की बी०एल०ओ० ज्योति विश्वकर्मा के विरुद्ध सोशल मीडिया एवं न्यूज़ चैनलों पर प्रसारित खबर पूर्णतः निराधार, भ्रामक एवं तथ्यहीन है। यह मात्र एक दुर्भावनापूर्ण अफवाह है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं है।

जिला प्रशासन एवं जिला निर्वाचन कार्यालय सभी सम्मानित मतदाताओं से यह अपील करता है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर प्रसारित होने वाली ऐसी किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों एवं अफवाहों पर ध्यान न दें। एस.आई.आर. प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क और पारदर्शी है, इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। यदि किसी भी स्तर पर किसी भी कर्मी द्वारा किसी भी कार्य के एवज में राशि की मांग की जाती है, तो तत्काल इसकी सूचना अपने संबंधित को देना सुनिश्चित करें।

एसडीओ ने किया डिजिटाइजेशन कार्य का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने जिला स्कूल में स्थित सभी मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर चल रहे ईएफ डिस्ट्रीब्यूशन तथा डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति का जायजा लिया। मतदान केंद्रों पर चल रहे फॉर्म्स के डिस्ट्रीब्यूशन और उनके मिलान की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला स्कूल परिसर में उपस्थित सभी संबंधित अधिकारियों, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर को स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदाता सूची के सुदृढ़ीकरण और डिजिटाइजेशन के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ में निर्धारित समयसीमा के भीतर शतप्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

इथेनॉल मिलाना बंद करें, गाड़ियां हो रही खराब : ब्रजेंद्र सिंह

धनबाद (कासं) : एआईसीसी के सदस्य सह धनबाद जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमिटी के सदस्य ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि पेट्रोल में बीस प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर जनता पर एक और झटका दे दिया है। आयेदिन यह लोगों से सुनने को मिल रहा है कि इथेनॉल वाले पेट्रोल से गाड़ियां खराब होने लगी है और जनता परेशानियों से जूझने लगी हैं। और अब तो केंद्र सरकार ने यह घोषणा भी कर दिया है कि इथेनॉल वाले पेट्रोल से हर गाड़ी में माइलेज कम देगी लगता है। पेट्रोल और डीजल वाली गाड़ियों को बंद करने की शुरुआत है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग किया है कि जनता को इथेनॉल मुक्त पेट्रोल दिया जाए, ताकि पूर्व की भांति जनता को पहले के जैसा गाड़ी का माइलेज मिलता रहे।

का. मिथिलेश सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई

जोड़ापोखर (ससे) : कामरेड ए.के. राय स्मृति भवन नुनूडीह के प्रांगण में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन लोदना क्षेत्रीय कमिटी की बैठक क्षेत्रिय अध्यक्ष का. सबुर गोराय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष का. सुंदरलाल महतो केंद्रीय उपाध्यक्ष का. सुरेश प्रसाद गुप्ता उपस्थित थे।

सबसे पहले यूनियन के नेता गुणवंत राय मेहता के निधन पर और यूनियन के पूर्व अध्यक्ष का. मिथिलेश सिंह की पुण्यतिथि पर १ मिनट का मौन रखा गया उसके बाद क्षेत्रिय सचिव का. शिवकुमार सिंह ने रिपोर्टिंग किया। इसके बाद बैठक में उपस्थित तमाम साथियों ने बारीबारी से अपनी बात रखा और कोलियरी के अंदर में प्रबंधन की मनमानी एवं यूनियन को मजबूत बनाने के लिए में वार्षिक सदस्यता शुल्क बढ़ाने और आंदोलन को तेज करने पर चर्चा की गई।

बैठक में सर्व सहमति से २१ जुलाई २०२६ को कामरेड एके राय संकल्प सभा को सफल बनाने का निर्णय लिया गया एवं इस अवसर पर ब्लड डोनेट कैम्प कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी कराने का निर्णय लिया गया।

२०२५ का मेंबर शिप का पैसा अधकटी के साथ क्षेत्रीय कमिटी को जमा करने, लोदना क्षेत्र में दूसरे क्षेत्र के यूनियन पदाधिकारी के हास्तक्षेप पर रोक लगाने के लिए २५ जुलाई के बाद एक आवश्यक बैठक रखी जाएगी।

कुजामा शाखा उपाध्यक्ष कुंदन पासवान पर झूठा मुकदमा करने के खिलाफ में यूनियन के द्वारा प्रशासन के पास जांच करने के लिए एक पत्र दिया जाएगा। उक्त जानकारी शिवकुमार सिंह लोदना क्षेत्रिय सचिव बिहार कोलियरी कामगार यूनियन द्वारा दी गई है।

आउटसोर्सिंग कंपनी ने मनमाने ढंग से टेंडर अस्वीकार करने का लगाया आरोप

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल के कुसुंडा क्षेत्र अंतर्गत बसेरियामोंडुडीहखास कुसुंडा कोलियरी (बीजीकेकेसी) की लगभग ६४०.५४ करोड़ रुपये की कोयला उत्खनन एवं ओवरबर्डन हटाने संबंधी निविदा को लेकर विवाद गहरा गया है। कोलकाता की खनन कंपनी आरए माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने आरोप लगाया है कि उसकी तकनीकी बोली को कथित रूप से मनमाने ढंग से अस्वीकार कर कार्य किसी अन्य कंपनी को सौंप दिया गया। कंपनी ने इस मामले में झारखंड उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

कंपनी के अनुसार, एनआईटी संख्या बीसीसीएल /सीएमसी/एचएचईएमएम/१०१/ईटेंडर/२०२५/१७२२६८ (दिनांक १३ अक्टूबर २०२५) के तहत पांच वर्षों के लिए जारी इस निविदा में १९ कंपनियों ने भाग लिया था। इनमें से केवल छह कंपनियों को तकनीकी रूप से योग्य घोषित किया गया, जबकि १३ कंपनियों को अयोग्य करार दिया गया। आरए माइनिंग का दावा है कि उसकी ५७०.०९ करोड़ रुपये की बोली सबसे कम थी, लेकिन पावर ऑफ अटॉर्नी से जुड़े तकनीकी आधार पर उसे अस्वीकार कर दिया गया। कंपनी का कहना है कि उसने समय रहते नवीनीकृत एवं वैध पावर ऑफ अटॉर्नी बीसीसीएल को उपलब्ध करा दिया था।

आरए माइनिंग का आरोप है कि इसके बाद ५९६.४१ करोड़ रुपये की बोली लगाने वाली एसटीजी एसोसिएट्स को कार्य आवंटित कर दिया गया, जिससे सार्वजनिक धन को लगभग २६ करोड़ रुपये से अधिक की संभावित हानि हुई। हालांकि, यह दावा कंपनी का आरोप है और इस पर न्यायालय में सुनवाई जारी है।

कंपनी ने इस मामले में डब्ल्यू.पी. (सी.) संख्या ३५९०/२०२६ के तहत झारखंड उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की है। याचिका में भारत संघ, कोल इंडिया लिमिटेड, बीसीसीएल, महाप्रबंधक (सीएमसी), जीईएम तथा एसटीजी एसोसिएट्स को पक्षकार बनाया गया है। ८ जून २०२६ को हुई सुनवाई में न्यायालय ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया तथा कहा कि विवादित कायदिश के आधार पर आगे उठाए जाने वाले कदम न्यायालय के अंतिम आदेश के अधीन होंगे। मामले की अगली सुनवाई १९ अगस्त २०२६ को निर्धारित है।

आरए माइनिंग ने यह भी दावा किया है कि न्यायालय में मामला लंबित रहने के बावजूद परियोजना का भूमिपूजन की है। जबकि कंपनी ने इस संबंध में बीसीसीएल प्रबंधन को कानूनी नोटिस भेजकर किसी भी आगे की कार्रवाई पर आपत्ति दर्ज कराई है और कहा है कि यदि न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी हुई तो वह अवमानना की कार्रवाई की मांग करेगी।

कार दुर्घटनाग्रस्त, युवती घायल

धनबाद (कासं) : धनबाद के शक्ति चौक के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार नेक्सॉन कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार लोग बालबाल बच गए, जबकि एक युवती घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवती को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

44 करोड़ की झरियाबलियापुर सड़क एक साल में जमींदोज

धनबाद/झरिया (कासं) : झरिया विधानसभा क्षेत्र की महत्वपूर्ण ४४ करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ११ किलोमीटर लंबी झरियाबलियापुर मुख्य सड़क निर्माण के महज एक वर्ष के भीतर ही मोहरीबांध के समीप गंभीर भूधंसान की चपेट में आ गई है। भूमिगत आग, लगातार हो रहे सबसीडेंस तथा आसपास संचालित कोयला खदानों के कारण सड़क कई स्थानों पर धंसकर जर्जर हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए झरिया विधायक रागिनी सिंह ने रांची से पहुंचे पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान रांची से पथ निर्माण विभाग के अधिकारी अरविंद कुमार, धनबाद पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश कुमार तथा बीसीसीएल संबंधित क्षेत्र के महाप्रबंधक ए.के. सिन्हा मौजूद रहे। अधिकारियों ने सड़क की वर्तमान स्थिति का संयुक्त रूप से निरीक्षण कर तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के बाद पथ निर्माण विभाग, रांची के अधिकारी अरविंद कुमार ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य विभाग द्वारा सभी निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन करते हुए कराया गया था। निर्माण शुरू करने से पहले बीसीसीएल से विधिवत अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिया गया था।

उन्होंने कहा कि सड़क की गुणवत्ता पर कोई सवाल नहीं है। यह सड़क भूमिगत आग और लगातार हो रहे सबसीडेंस के कारण धंसी है। आग कहां-कहां सक्रिय है, इसकी प्रमाणिक जानकारी बीसीसीएल के पास रहती है। पथ निर्माण विभाग को उसी आधार पर एनओसी दी गई थी। यदि बाद में भूमिगत आग फैलती है या जमीन खोखली होती है तो उसका प्रभाव सड़क पर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा कि वैकल्पिक मार्ग (डायवर्शन) के निर्माण का एस्टीमेट जनवरी माह में ही तैयार कर बीसीसीएल को भेज दिया गया था। संबंधित सभी विभागों को इसकी जानकारी दी जा चुकी है। जैसे ही फंड उपलब्ध होगा, डायवर्शन का निर्माण तत्काल शुरू कराया जाएगा ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। अरविंद कुमार ने बताया कि विभाग पूरे मामले की तकनीकी समीक्षा कर रहा है तथा बीसीसीएल के साथ समन्वय बनाकर स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा। धनबाद पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मिथलेश कुमार ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य में किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि यह सड़क पूरी गुणवत्ता के साथ बनाई गई थी। लेकिन भूमिगत आग और लगातार हो रहे सबसीडेंस के कारण नीचे की मिट्टी पूरी तरह खोखली हो गई, जिसके कारण सड़क बैठ गई। निर्माण से पहले बीसीसीएल से विधिवत एनओसी ली गई थी। आग की वास्तविक स्थिति की जानकारी बीसीसीएल के पास होती है, पथ निर्माण विभाग के पास नहीं।

निरीक्षण के बाद झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि यह केवल सड़क धंसने का मामला नहीं बल्कि हजारों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है।

उन्होंने कहा कि ४४ करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क का इतनी जल्दी धंस जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्र में पहली बार इतनी बड़ी सड़क इस तरह जमींदोज हुई है। हजारों लोग प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर इस सड़क से गुजर रहे हैं। किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस विषय को उन्होंने कई बार उपायुक्त की बैठक, विधानसभा तथा संबंधित विभागों के समक्ष उठाया है। रागिनी सिंह ने कहा कि केंदुआ मुख्य मार्ग की तरह इस सड़क को भी तत्काल बंद कर सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग शुरू किया जाना चाहिए। पहले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, उसके बाद मुख्य सड़क की मरम्मत की जाए।

यदि यह क्षेत्र अग्नि प्रभावित था तो सड़क निर्माण के लिए एनओसी कैसे जारी की गई? इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। यदि किसी की लापरवाही सामने आती है तो दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। जनता की जान के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से वैकल्पिक मार्ग बंद होने के कारण हजारों लोग मजबूरी में इसी खतरनाक सड़क से आवागमन कर रहे हैं। पिछले वर्ष दुर्गा पूजा के समय भी निरीक्षण और जांच हुई थी, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।

झरियाबलियापुर सड़क कोयलांचल क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण संपर्क सड़कों में से एक है। सड़क धंसने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब क्षेत्र पहले से भूमिगत आग और भूधंसान से प्रभावित था, तब निर्माण की अनुमति कैसे दी गई और बाद में सुरक्षा के लिए समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। फिलहाल पथ निर्माण विभाग और बीसीसीएल संयुक्त रूप से स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अब लोगों की निगाह इस बात पर है कि वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कब शुरू होगा, मुख्य सड़क की मरम्मत कब होगी और इस पूरे मामले में जिम्मेदारी तय कर दोषियों पर कब कार्रवाई होगी।

चीन ने रोकी हीलियम की सप्लाई, भारत पर असर कितना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वैश्विक तनाव और आपूर्ति संकट के बीच चीन ने महत्वपूर्ण गैस हीलियम के निर्यात पर अस्थायी रोक लगाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में हलचल मचा दी है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण पहले से ही बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के मद्देनजर चीन का यह कदम कई सवाल खड़े कर रहा है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और चिकित्सा उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ेगा? और सबसे महत्वपूर्ण, भारत पर इस निर्णय का कितना और कैसा असर होगा?

चीन के वाणिज्य मंत्रालय और सीमा शुल्क एजेंसी ने विदेशी व्यापार कानून के तहत हीलियम के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की घोषणा की है। हालांकि, इस अस्थायी प्रतिबंध के पीछे के कारणों को विस्तार से नहीं बताया गया है, लेकिन विशेषज्ञ इसे घरेलू उद्योगों की जरूरतों को सुरक्षित करने के कदम के रूप में देख रहे हैं। ईरान युद्ध के कारण फरवरी के अंत से ही वैश्विक हीलियम आपूर्ति प्रभावित हुई है और इसकी कीमतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

हीलियम एक अत्यंत महत्वपूर्ण गैस है, जिसका उपयोग केवल सेमीकंडक्टर चिप्स के निर्माण में ही नहीं, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में एमआरआई मशीनों को ठंडा रखने जैसे संवेदनशील कार्यों में भी होता है। वैश्विक स्तर पर हीलियम की उपलब्धता सीमित होने और इसके दाम बढ़ने से एमआरआई जैसी चिकित्सा प्रक्रियाएं महंगी हो सकती हैं, वहीं सेमीकंडक्टर उत्पादन की लागत भी बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पर पड़ेगा। यहां यह समझना महत्वपूर्ण है कि चीन खुद हीलियम का कोई बड़ा निर्यातक नहीं है। वह दुनिया के कुल हीलियम उत्पादन का मात्र १.६ प्रतिशत हिस्सा ही पैदा करता है और अपनी ८० प्रतिशत से अधिक हीलियम की जरूरतों को आयात के जरिए पूरा करता है, मुख्य रूप से कतर जैसे देशों से। इसलिए, चीन के इस कदम का वैश्विक हीलियम बाजार पर सीधा और व्यापक प्रभाव सीमित ही रहने का अनुमान है, लेकिन यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को जरूर उजागर करता है।

भारत के लिए हीलियम एक महत्वपूर्ण आयातित वस्तु है, क्योंकि वह अपनी कुल जरूरत का १०० प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। भारत अपनी हीलियम की ५० प्रतिशत से अधिक जरूरत कतर से पूरी करता है, जबकि रूस और अमेरिका भी उसके प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हैं। अच्छी बात यह है कि भारत चीन से हीलियम का आयात नहीं करता है, क्योंकि चीन स्वयं अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर है। इस प्रकार, चीन के हीलियम निर्यात पर प्रतिबंध का भारत पर सीधा असर लगभग नगण्य है। हालांकि, अगर वैश्विक स्तर पर हीलियम की कीमतें बढ़ती हैं और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला अधिक बाधित होती है, तो इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव भारत के उन उद्योगों पर पड़ सकता है जो हीलियम पर निर्भर हैं।

इससे भारत में एमआरआई और सेमीकंडक्टर उत्पादन की लागत में वृद्धि देखी जा सकती है। यह घटना एक बार फिर विभिन्न देशों को अपनी महत्वपूर्ण संसाधनों की आत्मनिर्भरता और आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण की दिशा में सोचने पर मजबूर करेगी।

छत्तीसगढ़ का मेरा गांव-मेरा पानी अभियान सफल

रायपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ सरकार का मेरा गांव-मेरा पानी अभियान जल संरक्षण की दिशा में प्रभावी परिणाम दे रहा है। अभियान के तहत प्रदेशभर में बनाए गए सोखता गड्ढों के माध्यम से मात्र १५ दिनों में लगभग ३१ करोड़ लीटर वर्षा जल का भू-जल पुनर्भरण किया गया है। इससे अनेक क्षेत्रों में जल स्तर में सुधार दर्ज होने लगा है। वर्षा का पानी बहकर नष्ट होने के बजाय जमीन में समाहित हो रहा है। अभियान में पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीणों तथा विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक गांव को जल संरक्षण के प्रति आत्म निर्भर बनाना और भू-जल स्तर को स्थायी रूप से बेहतर करना है। विशेषज्ञों का मानना है, इस तरह के सामुदायिक प्रयास भविष्य में जल संकट कम करने, पेयजल उपलब्धता बढ़ाने तथा कृषि के लिए जल संसाधनों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सरकार ने अभियान को लगातार आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

वियतनाम नाव हादसे पर पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली,(ईएमएस): वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के निकट शनिवार को भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक स्पीड बोट के समुद्र में पलट जाने से १५ भारतीयों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन सहित कई अन्य नेताओं ने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उक्त नाव में ३२ भारतीय पर्यटक और चार क्रू सदस्य सवार थे। यह दुर्घटना फू क्वोक के समीप होन मे रुत नगोई द्वीप के पास हुई। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि घायलों का उपचार जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि फू क्वोक के पास भारतीय नागरिकों से जुड़ी नाव दुर्घटना की खबर अत्यंत दुखद है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास और महावाणिज्य दूतावास प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता कर रहे हैं तथा भारतीय अधिकारी वियतनामी प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं।

राहुल गांधी ने भी घटना को बेहद पीड़ादायक बताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सरकार और विदेश मंत्रालय से वियतनाम के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर बचाव एवं राहत कार्य में हरसंभव प्रयास करने की अपील की। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी हादसे पर दुख जताते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हादसे में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु के पर्यटकों के शामिल होने की सूचना मिलने के बाद संबंधित राज्य सरकारें भी सक्रिय हो गई हैं। तेलंगाना और तमिलनाडु सरकारों ने भी अधिकारियों को विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास के साथ समन्वय बनाकर प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने हो ची मिन्ह सिटी और हनोई में सहायता एवं सूचना के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर जानकारी और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा सके।

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़(ईएमएस): पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं।

कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह भी मानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकती।

एआईएडीएमके के 10 और विधायक टीवीके का थाम सकते हैं दामन

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु की राजनीति में इस समय एक बड़ा सियासी भूचाल आ गया है। सीएम सी जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) बहुमत के करीब पहुंचती दिख रही है। खबर है कि मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के करीब १० और असंतुष्ट विधायक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर १५ अगस्त से पहले औपचारिक रूप से सत्तारूढ़ टीवीके में शामिल हो सकते हैं। विजय की पार्टी के अंदर इस योजना को ऑपरेशन एल का नाम दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विधायकों के इस्तीफे की यह टाइमिंग बेहद सोच-समझकर तय की गई है। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग जल्द ही विधानसभा उपचुनावों का ऐलान कर सकता है। एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस्तीफे और दलबदल की यह पूरी प्रक्रिया स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी कर ली जाएगी। मुख्य उद्देश्य यह है कि चुनाव आयोग द्वारा उपचुनावों की तारीखों की घोषणा करने से पहले इसे अंतिम रूप दे दिया जाए।

यह राजनीतिक उठापटक पिछले कुछ हफ्तों से लगातार जारी है। मई महीने में जिन २५ एआईएडीएमके विधायकों ने अपनी ही पार्टी के व्हिप का उल्लंघन कर सरकार बनाने के लिए विजय का समर्थन किया था, उनमें से करीब आधे या तो टीवीके का दामन थाम चुके हैं या शामिल होने वाले हैं।

बता दें २३४ सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा की वर्तमान में २२७ विधायकों की क्षमता है। ७ सीटें फिलहाल खाली हैं। सत्तारूढ़ टीवीके के १०७ विधायक हैं। वहीं, विपक्षी एआईएडीएमके में लगातार इस्तीफों के कारण घटकर विधायकों की संख्या ४१ रह गई है। हाल ही में एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री सी विजयभास्कर और एम आर विजयभास्कर ने अपने पद से इस्तीफा देकर टीवीके की सदस्यता ली थी। इनके अलावा पूर्व मंत्री एम एस एम आनंदन, एस वलारमथी और कई पूर्व विधायक व जिला स्तरीय पदाधिकारी भी पाला बदल चुके हैं। इससे विपक्ष लगातार कमजोर हो रहा है और सत्तारूढ़ दल बहुमत के जादुई आंकड़े के बेहद करीब पहुंच गया है।

सूत्रों का दावा है कि बागी विधायकों के अगले जत्थे में एआईएडीएमके के सबसे बड़े और प्रभावशाली क्षेत्रीय क्षत्रप माने जाने वाले एस पी वेलुमणि और सी वी शनमुगम के करीबी नेता शामिल हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जुलाई के अंत या अगस्त की शुरुआत तक ये दोनों दिग्गज नेता खुद भी टीवीके में शामिल हो सकते हैं। इस्तीफा देने वाले विधायकों को आगामी उपचुनावों में टीवीके के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा। वरिष्ठ नेताओं से वादा किया गया है कि दोबारा जीतकर आने पर उन्हें विजय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री का पद सौंपा जाएगा। अन्य नेताओं को संगठन में जिला सचिव या राज्य स्तर पर पदाधिकारी बनाकर समायोजित किया जाएगा।

इस पूरे दलबदल पर विपक्ष ने तीखा हमला बोला है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि इस खेल के पीछे भारी-भरकम वित्तीय प्रलोभन यानी कि हॉर्स-ट्रेडिंग शामिल है। इसके अलावा डीएमके के नेताओं ने तंज कसते हुए इसे पॉलिटिकल वाशिंग मशीन करार दिया है। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार के आरोपों और जांच का सामना कर रहे पूर्व मंत्रियों जैसे कि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभास्कर को बचाने के लिए यह सुरक्षित रास्ता दिया जा रहा है। हालांकि, टीवीके ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि कानूनी जांच अपनी जगह स्वतंत्र रूप से चलती रहेगी।

लिफ्ट में फंसी युवक की गर्दन झटका लगते ही हुई धड़ से अलग

हिसार,(ईएमएस): हिसार में एक मिठाई की दुकान में रविवार सुबह माल ढोने वाली लिफ्ट में फंसने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि लिफ्ट में झटका लगने पर युवक की गर्दन धड़ से अलग हो गई। मृतक की पहचान हांसी के गांव कुंभा खेड़ा निवासी जसबीर के रूप में हुई है। वह पहली बार अपने रिश्तेदार के साथ दुकान पर काम करने आया था। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में इसे हादसा माना जा रहा है, जबकि स्वजन ने हत्या की आशंका जताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह करीब छह बजे जसबीर दुकान की दूसरी मंजिल से सामान लाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल कर रहा था। इसी दौरान उसकी गर्दन लिफ्ट के दरवाजे में फंस गई और झटका लगते ही गर्दन धड़ से अलग हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बस कंडक्टर ने छुट्टे पैसे नहीं होने पर मंत्री को नीचे उतरने को कहा

कर्नाटक के परिवहन मंत्री ने नायक स्टाइल में किया शहर का निरीक्षण

बेंगलुरु,(ईएमएस): कर्नाटक के परिवहन मंत्री बायराशी सुरेश ने शनिवार रात फिल्म नायक के स्टाइल में निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने शहर के बस यात्रियों को होने वाली समस्याओं का अनुभव किया। छुट्टे पैसे न होने पर बीएसटीसी कंडक्टर ने मंत्री को बस से उतरने को कहा। मंत्री सुरेश शहर की बस सेवाओं की सच्चाई जानने के उद्देश्य से मास्क लगाकर यात्रा कर रहे थे, जिस वजह से उन्हें बस कंडक्टर ने नहीं पहचाना।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंत्री सुरेश ने हेब्बल से नागाशेट्टीहल्ली जाने वाली बीएमटीसी बस में सफर किया। वे बस में चढ़े और दो टिकट मांगे। उन्होंने बस के कंडक्टर को १०० रुपए का नोट दिया, जिसपर उसने छुट्टे पैसे मांगे। जब मंत्री ने कहा कि उनके पास छुट्टे पैसे नहीं है, तो कंडक्टर उनसे कहा कि छुट्टा नहीं दे सकते तो बस से उतर जाओ। इस घटना के बाद मंत्री बायराथी सुरेश बिना कोई जबाव दिए बस से उतर गए। बाद में बस के ड्राइवर और कंडक्टर को सस्पेंड कर दिया गया।

मंत्री ने जयमहल, टीवी टावर, आरटी नगर, सीबीआई रोड, हेब्बल, मान्यता टेक पार्क, नागवारा, हेन्नूर, हेन्नूर बंदे, बायराथी बंदे और गेद्दलाहल्ली को कवर करने वाले मार्गों पर यात्रा की। इसके अलावा उन्होंने नागशेट्टीहल्ली से ऑटो रिक्शा में भी यात्रा की। ऑटो रिक्शा की सवारी में भी उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा, क्योंकि किराया मीटर पर ३० रुपए दिख रहे थे, लेकिन ड्राइवर ने ३६ रुपए मांगे। जब उन्होंने ड्राइवर से पूछा तो उसने कहा कि मीटर को ठीक किया जाएगा। आखिर में मंत्री ४० रुपए देकर रिक्शे से उतर गए।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

चंडीगढ़,(ईएमएस): केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए २५ हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी

नईदिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कोन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को अंतरराष्ट्रीय झटका, जी5 से हटाई गई

मुंबई (ईएमएस)। पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म सतलुज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भारत में रिलीज़ न होने के बाद अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इसे जी५ की इंटरनेशनल लाइब्रेरी से हटा दिया गया है। इस कदम से फिल्म के सर्टिफिकेशन और रिलीज़ को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, भारत में भी इसे अभी तक रिलीज़ की मंजूरी नहीं मिली है।

फिल्म का नाम पहले पंजाब ९५ था और इसे २०२२ में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास भेजा गया था, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने १९८० और १९९० के दशक में पंजाब में कथित अवैध दाह संस्कार और फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को उजागर किया था।

देश का पहला रिटेल कंजम्प्शन सर्वे शुरू करने पर विचार कर रही है केंद्र सरकार

नई दिल्ली(ईएमएस) : देश में लोग किस सामान पर सबसे ज्यादा खर्च करते हैं, कौन-सी चीजें सबसे अधिक खरीदी जाती हैं और अलग-अलग राज्यों में उपभोक्ताओं की खरीदारी की आदतें कैसी हैं, इसका सटीक रिकॉर्ड अब सरकार के पास हो सकता है। केंद्र सरकार देश का पहला रिटेल कंजम्प्शन सर्वे शुरू करने पर विचार कर रही है। इस सर्वे का मकसद देशभर में उपभोक्ताओं के खरीदारी के पैटर्न को समझना और रिटेल बाजार से जुड़ा विस्तृत डेटा जुटाना है।

जानकारी के मुताबिक, इस सर्वे को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय कराएगा। हालांकि, इसे कब शुरू किया जाएगा, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। मंत्रालय फिलहाल इसके दायरे और समय-सीमा पर काम कर रहा है। प्रस्तावित सर्वे में नेशनल इंडस्ट्रियल क्लासिफिकेशन के तहत आने वाले लगभग सभी तरह के रिटेल कारोबार शामिल होंगे। यानी किराना स्टोर, सुपरमार्केट, बर्तन की दुकान, मशीनरी स्टोर, मेडिकल स्टोर, कपड़ों की दुकान, इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम और अन्य खुदरा कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों का डेटा जुटाया जाएगा। इस सर्वे में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के साथ-साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, दवाइयां और कपड़ों की बिक्री का भी रिकॉर्ड रखा जाएगा। सरकार का उद्देश्य यह जानना है कि अलग-अलग राज्यों और शहरों में किस तरह की वस्तुओं की मांग सबसे ज्यादा है।

यह नया सर्वे मौजूदा हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे से अलग होगा। हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे में यह देखा जाता है कि किसी परिवार ने एक निश्चित अवधि में कितना सामान इस्तेमाल किया। जबकि रिटेल कंजम्प्शन सर्वे इस बात का रिकॉर्ड रखेगा कि दुकानों से वास्तव में कितना सामान खरीदा गया।मान लीजिए किसी परिवार ने एक किलो चावल खरीदा, लेकिन महीने भर में केवल ५०० ग्राम ही इस्तेमाल किया। हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे में ५०० ग्राम की खपत दर्ज होगी, जबकि नए रिटेल सर्वे में दुकानदार द्वारा बेचा गया पूरा एक किलो चावल रिकॉर्ड किया जाएगा। इससे बाजार में वास्तविक मांग और बिक्री का ज्यादा सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा।

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल से भी उपभोक्ता खर्च का रुझान साफ दिखाई देता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में किराना स्टोर और सुपरमार्केट में करीब ७९,७०५ करोड़ रुपये के डिजिटल लेनदेन हुए। इसी अवधि में मेडिकल स्टोर और फार्मेसी में १२,४२८.८ करोड़ रुपये, पुरुष और महिलाओं के कपड़ों की दुकानों में ११,७९२.९ करोड़ रुपये, जबकि फैमिली क्लोदिंग स्टोर में ७,०५९.८ करोड़ रुपये के डिजिटल ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए। ये आंकड़े बताते हैं कि देश में खुदरा बाजार में उपभोक्ता खर्च लगातार मजबूत बना हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस सर्वे से सरकार को उपभोक्ता मांग, महंगाई, उत्पादन और सप्लाई चेन से जुड़े फैसले लेने में काफी मदद मिलेगी। साथ ही, उद्योग जगत और कारोबारियों को भी यह समझने में आसानी होगी कि किन उत्पादों की मांग बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में कारोबार के नए अवसर मौजूद हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय का लक्ष्य सर्वे से मिले आंकड़ों को सरकारी रिकॉर्ड, प्रशासनिक डेटा और नई तकनीकों के साथ जोडक़र ज्यादा सटीक और उपयोगी आधिकारिक आंकड़े तैयार करना है। इससे सरकार भविष्य की आर्थिक नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं अधिक प्रभावी ढंग से बना सकेगी।

कमलनयन ने चंपत राय को निर्दोष बताया, अन्य कई मौन

अयोध्या (ईएमएस) : राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास ने चंपत राय को निर्दोष बताया है। उन्होंने दावा किया कि चंपत राय के साथ छल किया गया है। महंत कमलनयन दास ने कहा कि चंपत राय ने राष्ट्र, समाज और राम जन्मभूमि के लिए अपने सारे जीवन का बलिदान किया है। उनमें आज तक कोई कमी नहीं आई है। एक बयान में महंत कमलनयन दास ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ सब प्रकार से ईमानदार हैं। उन पर हमें पूरा विश्वास है, भरोसा है। इस मामले में निष्पक्ष फैसला होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि यह घटना कलंक है और इसकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। कमलनयन दास ने कहा कि यह बिल्कुल सही बात है। दोबारा ऐसी घटना कतई नहीं होगी। चंपत राय का इसमें कोई दोष नहीं है। उन पर कोई आरोप नहीं है। वह बस विश्वास में पड़ गए। उनके साथ छल किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर दान चोरी के चार आरोपियों की कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद चढ़ावा चोरी में बंद आठ आरोपियों की दिनचर्या और बर्ताव दोनों ही बदल गए हैं। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू ने मौन धारण कर लिया है तो सुभाष श्रीवास्तव सुबह चार बजे उठकर पूजा करने लगता है। सभी अब अपने कृत्य पर पछता रहे हैं। उन्हें सख्त कार्रवाई के अलावा सामाजिक बहिष्कार का डर सता रहा है। मामले में अब तक जिन दो आरोपियों रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव की भूमिका प्रमुख मानी जा रही है, वे भी अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावशाली माने जाते थे। टिन्नू का मंदिर की व्यवस्थाओं पर अच्छा प्रभाव था, जबकि बैंक से सेवानिवृत्ति के बाद सुभाष श्रीवास्तव संघ से जुड़े और बाद में राममंदिर में गणना प्रभारी के रूप में काम करने लगे थे।

बता दें कस्टडी रिमांड में पहले अविनाश से पूछताछ फिर अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पाण्डेय से मिले इनपुट, डिजिटल साक्ष्य और बरामदगियों ने जांच को मजबूत आधार दिया। ऐसे में अब आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है। हाल में तीनों आरोपियों के पुलिस कस्टडी से वापस जेल लौटने के बाद आठ आरोपियों की बेचैनी बढ़ गई है। सुभाष श्रीवास्तव धार्मिक गतिविधियों में समय बिता रहा है।

अपहरण-हत्याकांड पर पुलिस की भूमिका संदिग्ध : तेजस्वी

करबिगहिया/पटना (एजेंसी): करबिगहिया से किराना दुकानदार बंटी कुमार के अपहरण और हत्या के मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि ६ जुलाई को हुए अपहरण की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद होने के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि राजद के एक प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की, जिसके बाद पुलिस ने अथमलगोला थाना क्षेत्र से बंटी कुमार का शव बरामद होने की सूचना परिजनों को दी।

तेजस्वी ने आरोप लगाया कि करबिगहिया इलाके में सत्ता और पुलिस के संरक्षण में सेक्स रैकेट संचालित हो रहा है। इसका विरोध करने के कारण बंटी कुमार को निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय लोग इस अवैध गतिविधि के पीछे प्रभावशाली लोगों के संरक्षण की बात कह रहे हैं।

मुजफ्फरपुर एयरपोर्ट का शीघ्र होगा शिलान्यास : सम्राट

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुजफ्फरपुर दौरे के दौरान जिले को करीब १,०४७ करोड़ रुपये की लागत वाली ९८२ विकास योजनाओं की सौगात दी। एमआईटी परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पताही एयरपोर्ट, नए विश्वविद्यालय, कानून-व्यवस्था और पर्यटन विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट और रक्सौल एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अगले १० दिनों के भीतर इसका शिलान्यास किया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुजफ्फरपुर के एमआईटी परिसर में सिविल एवं आर्किटेक्चर विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। इससे उत्तर बिहार के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बिहार के १२ शहरों में नई टाउनशिप विकसित करने का काम तेजी से चल रहा है। इस दौरान सीएम ने राज्य में बढ़ते अपराध पर कहा कि अपराधियों के लिए बिहार में कोई जगह नहीं है, अपराधियों को बिहार छोड़ कर जाना होगा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बिहार में खजाना खाली है के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिहार में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि १० जुलाई को सभी पेंशनधारकों के खातों में राशि भेज दी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब सभी पेंशनधारियों को प्रत्येक महिने के १० तारिख तक खाते में डीबीटी के माध्यम से पेंशन की सहायता राशि भेज दी जाएगी। इस दौरान सीएम सम्राट ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये कि वे अपना काम पूरी तिबद्धता के साथ करें।

कार्यक्रम में सीएम ने जिले में मां सीता मंदिर बनाने की भी घोषणा की। कहा कि जिस तरह से अयोध्या में राम मंदिर के बनने से प्रदेश में पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिला है, उसी तरह बिहार में भी धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि मां सीता का भव्य मंदिर बनने से राज्य देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी मजबूती मिलेगी।

गोपालगंज में लगेगा लिथियम-आयन बैट्री प्लांट

गोपालगंज (एजेंसी): गोपालगंज जिले के हथुआ में लिथियम-आयन बैट्री प्लांट का निर्माण किया जाएगा। करीब ८७.५५ करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक प्लांट स्थापित होगा। प्लांट में उत्पादन कार्य वर्ष २०२७ शुरु करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का उद्देश्य इस परियोजना से क्षेत्र में बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना और बिहार के औद्योगिक विकास को नई गति देना है। साथ ही प्लांट के शुरू होने के बाद बिहार में आधुनिक बैट्री निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार के अनुसार, हथुआ औद्योगिक क्षेत्र के फेज-३ में ५.०६ एकड़ भूमि पर इस फैक्ट्री का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना से रोजगार के क्षेत्र में बड़ा अवसर मिलने की संभावना है। प्लांट में ४०० से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जबकि परिवहन, सप्लाई, सर्विस और अन्य सहायक गतिविधियों के माध्यम से करीब ३० हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने का अनुमान है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। इसके अलावा आसपास के क्षेत्रों में छोटे-बड़े व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा।

लिथियम-आयन बैट्री आधुनिक तकनीक पर आधारित होती है और पारंपरिक लेड-एसिड बैट्री की तुलना में अधिक ऊर्जा क्षमता, तेज चार्जिंग और लंबा बैकअप के साथ ज्यादा दिनों तक चलती है। जहां सामान्य लेड-एसिड बैट्री औसतन २ वर्ष तक चलती है, वहीं लिथियम-आयन बैट्री लगभग ५ वर्ष तक बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। इस प्लांट में बनने वाली बैटरियों का उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऊर्जा भंडारण प्रणाली और इलेक्ट्रिक वाहनों सहित कई क्षेत्रों में किया जाएगा। राज्य में स्थानीय स्तर पर बैट्री निर्माण शुरू होने से ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

नशे में धुत पुलिसकर्मी का वीडियो कोर्ट तक पहुंचा

पटना (एजेंसी): बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बावजूद पुलिस विभाग के एक जवान पर शराब पीने और नशे की हालत में मिलने का मामला सामने आया है। पुलिसकर्मी का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी जवान को हिरासत में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, मामला पटना के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के खेमनीचक इलाके का है। वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी संदिग्ध अवस्था में नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मी के नशे में होने का दावा करते हुए सवाल उठाए। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिसकर्मी की पहचान विनोद राम के रूप में हुई है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस टीम ने उसे हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए भेजा।

जांच रिपोर्ट में शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद उसके खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद आरोपी पुलिसकर्मी को कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय में पेश किया गया।

बताया जा रहा है कि विनोद राम का नाम इससे पहले भी शराब सेवन से जुड़े मामले में सामने आ चुका है। उस समय विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया गया था। अब दोबारा शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ विभागीय कार्रवाई भी की जा सकती है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-०२) रंजन कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जानकारी मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की। वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया और मेडिकल जांच कराई गई।

रिपोर्ट में शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में लागू शराबबंदी कानून सभी लोगों पर समान रूप से लागू होता है। चाहे वह आम नागरिक हो या पुलिस विभाग का कर्मचारी, कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मियों से अनुशासन और नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है। यदि कोई पुलिसकर्मी कानून का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ भी आम लोगों की तरह कार्रवाई की जाती है।

फिलहाल आरोपी पुलिसकर्मी को न्यायालय में पेश किया जा चुका है। पुलिस विभाग पूरे मामले की विभागीय समीक्षा कर रहा है। जांच रिपोर्ट और विभागीय नियमों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीएम योगी का 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

लखनऊ (ईएमएस) : यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वे गोरखपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर सीएम राज्य में महा वृक्षारोपण २०२६ अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत पूरे यूपी में ३५ करोड़ पौधे लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत साल २०२६ के इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के लॉन्च के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण और धरती के महत्व को समझाया। सीएम योगी ने कहा कि यह धरती मां के प्रति आभार जताने का एक बहुत बड़ा और शानदार प्रयास है। धरती मां हम सभी को एक अच्छा और अनुकूल पर्यावरण देती हैं और आगे बढ़ने का मौके देती है।

राम मंदिर में 40 दिन में 70 बार हुई चोरी

अयोध्या(ईएमएस): अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में जांच के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि ४० दिनों के भीतर कथित तौर पर ७० बार चढ़ावे से रकम निकाली गई। जांच के बाद अब मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था भी बदल दी है। पहले दो शिफ्ट में होने वाली गणना अब सिर्फ एक ही शिफ्ट में की जाएगी। पुलिस की पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पता चला है कि कथित चोरी की घटनाएं केवल शाम की शिफ्ट के दौरान हुई थीं। इसी वजह से अब मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की काउंटिंग की पूरी व्यवस्था बदल दी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडे से कई अहम जानकारियां मिलीं। जांच में सामने आया कि करीब ४० दिनों के भीतर ७० बार चढ़ावे से कथित तौर पर रकम निकाली गई। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा भूमिका अविनाश शुक्ला की सामने आई है। पूछताछ में मिले इनपुट के मुताबिक, उसने अकेले ५० से ज्यादा बार चढ़ावे से चोरी की। इतना ही नहीं, कई दिनों में आरोपियों ने एक ही दिन दो-दो बार चढ़ावे से रकम निकालने की कोशिश की। जांच में यह भी सामने आया कि ४० दिनों के दौरान पांच ऐसे दिन भी थे, जब कथित तौर पर एक ही दिन तीन-तीन बार चोरी की गई। जांच का एक बड़ा निष्कर्ष यह भी रहा कि पहली शिफ्ट में गिनती के दौरान ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। जांच एजेंसियों का कहना है कि पूछताछ में यह भी सामने आया कि अविनाश शुक्ला और अनुकल्प मिश्रा हर बार एक-दूसरे की मदद करते थे। दोनों की भूमिका और बाकी आरोपियों के साथ उनके तालमेल की जांच अभी भी जारी है। अब तक की जांच में यह भी सामने आया है कि कथित चोरी की सभी घटनाएं उस समय हुईं, जब चढ़ावे की गणना दोपहर २ बजे से रात ९ बजे तक चलने वाली दूसरी शिफ्ट में होती थी। इसी के बाद मंदिर प्रशासन ने एहतियात के तौर पर चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब चढ़ावे की गिनती सुबह ९ बजे से शाम ६ बजे तक सिर्फ एक ही शिफ्ट में की जा रही है।

भोपाल में एसबीआई से ठगी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (ईएमएस) : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एसबीआई के कई एटीएम से लाखों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। भोपाल पुलिस और मुजफ्फरपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरोह के मास्टरमाइंड अभिषेक कुमार को मुजफ्फरपुर के भगवानपुर स्थित एक किराये के मकान से गिरफ्तार किया गया। अभिषेक मूल रूप से बिहार के सारण जिले के खलपुरा का रहने वाला है और एक कैश लोर्डिंग एजेंसी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था।

पुलिस के अनुसार उसने अपने तकनीकी ज्ञान का दुरुपयोग कर एटीएम ठगी का संगठित नेटवर्क तैयार किया था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि अभिषेक ने छपरा और गया के युवकों को साथ लेकर एक अंतरराज्यीय गिरोह बनाया था। इस गैंग में इंजीनियरिंग के छात्र भी शामिल थे। अब तक इस मामले में मास्टरमाइंड समेत सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के मुताबिक, भोपाल के शाहपुरा, अशोका गार्डन और कोलार क्षेत्र में पिछले १० से १५ दिनों के दौरान एसबीआई के आठ एटीएम को निशाना बनाया गया। आरोप है कि गिरोह के सदस्य एटीएम के कैश डिस्पेंसिंग शटर से तकनीकी छेड़छाड़ कर मशीनों से लाखों रुपये निकाल लेते थे। लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद एटीएम सुरक्षा एजेंसी के क्षेत्रीय प्रबंधक विवेक चौरसिया ने शाहपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य इनपुट के आधार पर जांच शुरू की। सबसे पहले मो. शागिर्द और प्रिंस गुप्ता को हिरासत में लिया गया। उनकी निशानदेही पर सोनू उर्फ विपुल, साकेत खेतान, साहिल अली और आसिफ आलम को भी गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान मो. शागिर्द ने खुलासा किया कि पूरे नेटवर्क का संचालन अभिषेक कुमार कर रहा था, जो मुजफ्फरपुर में छिपा हुआ है। इसके बाद भोपाल पुलिस ने मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस के सहयोग से भगवानपुर इलाके में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कैंजे से ५० हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई एक कार भी बरामद की है। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी सोनू उर्फ विपुल भोपाल के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का छात्र है।

पुलिस का कहना है कि गिरोह तकनीकी जानकारी रखने वाले युवकों को शामिल कर एटीएम मशीनों से छेड़छाड़ कर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस के अनुसार, अभिषेक ने सारण जिले के डोरीगंज इलाके में कथित तौर पर एक ट्रेनिंग सेंटर जैसा नेटवर्क भी तैयार कर रखा था, जहां नए युवकों को एटीएम मशीनों से छेड़छाड़, शटर टेंपरिंग और ठगी के तरीके सिखाए जाते थे। प्रशिक्षण के बाद उन्हें अलग-अलग राज्यों के बड़े शहरों में भेजा जाता था, जहां वे वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और इसके वित्तीय लेन-देन की भी गहन जांच कर रही है। मुजफ्फरपुर सदर थानाध्यक्ष नवलेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभिषेक कुमार को ट्रांजिट रिमांड पर भोपाल पुलिस अपने साथ ले गई है।

विधवा पेंशनधारी के खाते में 740 करोड़ बैलेंस देखकर विधवा की बिगड़ी तबीयत

नवादा, (ईएमएस) : बिहार के नवादा जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। विधवा पेंशन की राशि निकालने बैंक पहुंची एक महिला के खाते में अचानक ७४० करोड़ रुपये से अधिक की राशि दिखाई देने लगी। खाते में इतनी बड़ी रकम देखकर महिला की तबीयत बिगड़ गई, जबकि बैंक कर्मचारी भी हैरान रह गए। फिलहाल बैंक प्रबंधन ने इसे तकनीकी गड़बड़ी मानते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नवादा शहर के वार्ड संख्या-२८ स्थित नीम टोला निवासी रेखा देवी, जो स्वर्गीय उदय नारायण पांडे की पत्नी हैं, बिहार पेंशन दिवस के अवसर पर अपनी १,१०० की विधवा पेंशन निकालने बैंक पहुंची थीं। राशि निकासी के बाद उन्होंने अपने खाते का शेष बैलेंस जानना चाहा। जब बैंक कर्मियों ने उनका खाता जांचा तो उसमें ७४० करोड़ ६८ लाख ७२ हजार ८९५ रुपये की राशि दिखाई दी। स्क्रीन पर इतना बड़ा बैलेंस देखकर पहले तो बैंक कर्मचारी भी अवाक रह गए। कई बार दोबारा जांच करने पर भी हर बार वही राशि दिखाई देती रही। यह देखकर रेखा देवी घबरा गईं और उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें संभाला और घर ले गए। फिलहाल उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। रेखा देवी ने बताया कि वह हृदय रोग की मरीज हैं और उन्होंने जीवन में कभी इतनी बड़ी रकम नहीं देखी। खाते में करोड़ों रुपये का बैलेंस देखकर उन्हें डर लगने लगा कि कहीं इस वजह से उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

घटना की जानकारी मिलते ही बैंक परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के बीच इस असामान्य बैलेंस को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि बैंक अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी। बैंक प्रबंधन का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला तकनीकी त्रुटि का प्रतीत हो रहा है।

राहुल गांधी छात्रों से अब देहरादून में करेंगे संवाद

पटना,(ईएमएस) : कांग्रेस पार्टी ने नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे जैसे छात्रों से जुड़े गंभीर मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों की गूंज की शुरुआत की, लेकिन बिहार कांग्रेस की अंदरूनी कलह के चलते पटना में होने वाले कार्यक्रम को टाल दिया गया है। अब पटना की जगह ये कार्यक्रम देहरादून में करने का फैसला लिया गया है।

दरअसल, राहुल गांधी के छात्रों से संवाद कार्यक्रम की शुरुआत प्रयागराज में १० जुलाई को होनी थी, लेकिन उनकी विदेश यात्रा बढ़ाए जाने के कारण कार्यक्रम को टाल दिया गया था। अब उनके १२ को दौरे से लौटने की बात कही। इसी तरह पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बिहार यूनिट में बढ़ती गुटबाजी और आंतरिक कलह के कारण १५ जुलाई को पटना में छात्रों के साथ होने वाले कार्यक्रम को भी टाल दिया गया है। अब ये कार्यक्रम १७ जुलाई को देहरादून में होगा और इसकी तैयारियां शुरु हो गगई हैं।

सूत्रों ने बताया कि पटना के कार्यक्रम को टालने का फैसला बिहार प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की एक हालिया बैठक के बाद लिया गया। बैठक में राज्य प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष शामिल हुए थे, जहां प्रतिद्वंदी गुटों के बीच के मतभेद खुलकर सामने आ गए। सांगठनिक दरार को बढ़ता देख पार्टी नेतृत्व ने आयोजन को आगे बढ़ाना का फैसला लिया। कांग्रेस इस मुहिम की साख को बनाए रखने के लिए देहरादून में पहला कार्यक्रम करने जा रही है, क्योंकि कोटा में इसकी शुरुआत को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

ये सांगठनिक अशांति केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य कांग्रेस इकाइयों में भी असंतोष के संकेत मिल रहे हैं। पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और चरणजीत सिंह चन्नी व सुखजिंदर सिंह रंधावा के बीच सार्वजनिक खींचतान जारी है, जिसे सुलझाने के लिए एआईसीसी महासचिव और राज्य प्रभारी भूपेश बघेल कोशिश कर रहे हैं। वहीं, गोवा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अमित पाटकर को हटाकर गिरीश चोडंकर को लाने से पाटकर के खेमे में नाराजगी पैदा हो गई है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के समर्थकों ने नेतृत्व परिवर्तन पर निराशा जताई है और दावा किया है कि उनके संगठनात्मक प्रयासों के बावजूद बिना किसी पूर्व परामर्श के यह बदलाव किया गया।

उधर कांग्रेस नेतृत्व कोटा से शुरू किए 'स्टूडेंट्स वॉइस' कार्यक्रम को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद इसे जारी रखना चाहता है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि पहले कार्यक्रम को देहरादून ले जाने का मकसद ये तय करना है कि बिहार में संगठनात्मक विवादों के कारण ये अभियान प्रभावित न हो। दूसरी तरफ राहुल गांधी के प्रस्तावित बिहार दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने तंज कसा है। उन्होंने कई राज्यों में पार्टी को मिली चुनावी हार का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी, जहां भी जाते हैं। वहां कांग्रेस का पतन होता है। बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बीजेपी नेता अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और तर्क दिया कि आगामी चुनावों से पहले ऐसी टिप्पणियां राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं।

सचिवालय सेवा संघ ने कार्मिक विभाग के रवैये पर जताई नाराजगी, चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा

रांची (एजेंसी): झारखंड सचिवालय सेवा संघ की आमसभा रविवार को रांची में संपन्न हुई। संघ के अनुसार, बैठक में ८०० से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। आमसभा में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के वर्तमान सचिव के कार्यकलापों तथा सचिवालय सेवा से जुड़े मामलों में अपनाए जा रहे रवैये पर नाराजगी जताई गई।

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि विभाग के हालिया निर्णय सचिवालय सेवा के हितों, पदोन्नति व्यवस्था और अधिकारियों के मनोबल के प्रतिकूल हैं।

बैठक में संघ के खातों के ऑडिट के लिए ऑडिटर घोषित करने का अधिकार कार्यकारिणी को दिया गया। साथ ही सदस्यों से २०० रुपये प्रतिमाह अथवा २४०० रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन के माध्यम से लेने, कल्याण कोष नियमावली बनाने तथा स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने वाले कोषाध्यक्ष अवध किशोर भगत का इस्तीफा स्वीकार कर संयुक्त सचिव हेम नारायण सिंह को नया कोषाध्यक्ष नियुक्त करने के प्रस्ताव पारित किए गए।

हड़ताल की रूपरेखा तय करने की पहल

आमसभा में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्मिक विभाग एवं सरकार के वर्तमान रुख को देखते हुए सचिवालय सेवा के हितों की रक्षा के लिए चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा।

आवश्यकता पड़ने पर हड़ताल की रूपरेखा तय करने के लिए सामान्य परिषद को निर्धारित कोरम की शर्त के साथ अधिकृत किया गया।

संघ ने कहा कि सचिवालय सेवा के अधिकारियों के संवैधानिक एवं वैधानिक अधिकारों, सेवा की गरिमा और कैडर के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्यकारिणी समिति को मुख्यमंत्री, संबंधित मंत्री और मुख्य सचिव से मिलकर स्थिति से अवगत कराने तथा सुधारात्मक कदम उठाने का आग्रह करने का निर्णय लिया गया। संघ ने चेतावनी दी कि यदि सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार और कार्मिक विभाग की होगी।

अटल स्मृति वेंडर मार्केट के दुकानदारों को महापौर का भरोसा, कहा- किसी के साथ नहीं होगा अन्याय

रांची (एजेंसी): आज अटल स्मृति वेंडर मार्केट के वेंडरों के साथ बैठक करके माननीय महापौर मती रोशनी खलखो नें सभी वेंडरों को आश्वस्त किया कि किसी भी वेंडर के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही जो भी न्यायोचित कदम होगा, जिससे वेंडरों को अपने एवं अपने आश्रितों के भरण पोषण में किसी भी प्रकार की परेशानी ना आए, वो कार्य विधिवत किया जाएगा। जैसा कि पिछले दिनों प्रकाश में आया कि अटल स्मृति वेंडर मार्केट के वेंडरों में पुनः री-लॉटरी कराने को लेकर असंतोष व्याप्त था तथा एक आस के साथ सभी वेंडर महापौर मती रोशनी खलखो के कार्यालय में उनसे मिलकर अपनी व्यथा बताई।

कहा कि वेंडर मार्केट हमने बनाया है

आज इसी क्रम में महापौर नें वेंडरों के बीच अपनी बातों को रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में ही वेंडरों को सुव्यवस्थित करने की दिशा में कदम उठाते हुए इस वेंडर मार्केट का निर्माण कराया गया था। इसलिए महापौर नें कहा कि वेंडर मार्केट हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे बल्कि उन्होंने राँची के सभी वेंडर मार्केट को सुव्यवस्थित करने की बात कही तथा जरूरत के अनुसार सभी क्षेत्रों में अन्य नए वेंडर मार्केट निर्माण की बात भी कही गई। ताकि भविष्य में किसी फुटपाथ विक्रेता को परेशानी न आए।

मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष वरुण साहू जी, वार्ड २० के माननीय पार्षद सुनील यादव जी, अटल स्मृति वेंडर मार्केट संघ के अध्यक्ष कृष्णा साहू, विक्की सोनी,नागेन्द्र पांडे, राजेश, रमेश सहित सैकड़ों वेंडर मौजूद रहें।

दिल्ली में सांसद सरफराज अहमद का घुटने के ऑपरेशन के बाद मिलने पहुंचे हेमंत सोरेन, जल्द स्वस्थ होने की कामना की

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिल्ली में झामुमो के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। सरफराज अहमद का हाल ही में दिल्ली में घुटने का ऑपरेशन हुआ है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। हेमंत सोरेन ने मरांग बुरु से प्रार्थना की कि सरफराज अहमद जल्द स्वस्थ होकर फिर से सक्रिय सार्वजनिक जीवन में लौटें।

आठ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, वज्रपात से दो लोगों की मौत

रांची (एजेंसी): झारखंड के आठ जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी रांची में भी दिन भर बादल छाए रहने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं बीते शनिवार शनिवार को गुमला में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों को घर से बाहर न निकलने, बिजली के खंभों से दूर रहने और पेड़ों के नीचे न खड़ा होने की सलाह दी है।

रांची में चला निगम का बुलडोजर, देर रात बेघर महिला से मिलने पहुंचीं मेयर रौशनी खलखो

रांची (एजेंसी): रांची में नगर निगम के द्वारा शनिवार को बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बाद मोरहाबादी स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के पास रहने वाली एक महिला का आशियाना उजड़ गया, जिसके बाद घंटों महिला परिवार और सामान के साथ सड़क किनारे बैठी रही। घटना की जानकारी मिलने पर रांची मेयर रौशनी खलखो देर रात पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं और महिला बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

रौशनी खलखो ने संबंधित अधिकारियों को महिला और उसके परिवार के लिए तत्काल अस्थायी ठहरने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही, पात्रता के आधार पर स्थायी आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू करने का आश्वासन दिया। महिला ने आरोप लगाया कि कार्रवाई से पहले उन्हें पर्याप्त सूचना नहीं दी गई थी।

बुढ़मू अंचलाधिकारी की गिरफ्तारी से नाराज झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ, एसीबी के खिलाफ खोला मोर्चा

रांची (एजेंसी): बुढ़मू अंचल अधिकारी सच्चिदानंद कुमार वर्मा की गिरफ्तारी को लेकर झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (-एसीबी) के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संघ ने रविवार को हुई आपात बैठक में इस कार्रवाई को अवैध, असंवैधानिक और दमनकारी बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। संघ ने कहा कि अगर अधिकारी को न्याय नहीं मिला, तो राज्यभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। संघ का आरोप है कि -उइ ने कानून और तय प्रक्रिया का पालन किए बिना उज को रात करीब ३ बजे उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार किया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिवार को समय पर गिरफ्तारी की जानकारी भी नहीं दी गई, जो सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के खिलाफ है।

रिश्वत लेते रंगेहाथ नहीं पकड़े गए अंचलाधिकारी।

संघ ने तर्क दिया है कि भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम-२०१८ की धारा १७-के तहत किसी भी लोकसेवक के खिलाफ आधिकारिक कार्यों से जुड़े मामलों की जांच या गिरफ्तारी से पहले सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति जरूरी है। इस केस में अंचलाधिकारी को न तो रंगेहाथ पकड़ा गया और न ही उनके पास से कोई पैसा मिला, इसलिए सरकार की पूर्वानुमति के बगैर यह कार्रवाई गैरकानूनी है।

संघ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गये पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई के लिए जरूरी है कि आरोपी ने सामने से पैसों की मांग की हो या उसे स्वीकार किया हो, जबकि इस मामले में कथित लेन-देन या मांग में अंचलाधिकारी की संलिप्तता की कोई जानकारी नहीं है।

संघ ने कहा कि कानून का मूल सिद्धांत कहता है कि पुलिस हिरासत में किसी सह-आरोपी द्वारा रात में दिया गया इकबालिया बयान कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं होता। केवल सह आरोपी के बयान को आधार बनाकर सीधे एक राजपत्रित अधिकारी को अपराधी मान लेना दरअसल, न्याय व्यवस्था का मजाक बनाने के समान है।

राजपत्रित अधिकारी की अपमानजनक गिरफ्तारी

झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ ने कहा कि पहले आरोपी की गिरफ्तारी शाम को ७ बजे की गई, जबकि अंचलाधिकारी को उनके आवास से तड़के ३ बजे गिरफ्तार किया है, जबकि डीके बासु बना पश्चिम बंगाल सरकार के केस मे सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकार निर्देश जारी करते हुए कहा था कि किसी प्रतिष्ठित नागरिक या अधिकारी को बिना किसी असाधारण परिस्थिति के रात के अंधेरे में या सुबह यूं अपमानजनक तरीके से गिरफ्तार नहीं किया जा सकता।

संघ ने अरनेश कुमार केस का हवाला देते हुए कहा कि बुढ़मू अंचलाधिकारी की गिरफ्तारी में बीएनएसएस की धारा ३५ (पूर्ववर्ती ४१उीझउ) के तहत पहले नोटिस जारी करना जरूरी होता है। संघ ने कहा कि एक स्थापित राजपत्रित अधिकारी, जिसके फरार होने या सबूत मिटाने की कोई आशंका नहीं थी, उसे बिना किसी प्राथमिक जांच या नोटिस के सीधे तड़के गिरफ्तार करना बताता है कि एसीबी कितना निरंकुश है।

संघ ने आरोप लगाया कि एसीबी ने अंचलाधिकारी की गिरफ्तारी की सूचना उनके घरवालों को नहीं दी।

बुढ़मू अंचलाधिकारी षड्यंत्र का शिकार हो गये हैं!

संघ ने कहा कि बुढ़मू अंचलाधिकारी प्रथम दृष्टा भू-माफिया का शिकार हुए हैं। कानून से संरक्षण मिलने की जगह उन्हें दंडित किया जा रहा है। संघ ने पूरे मामले की जांच के लिए अपर सचिव स्तर के एक पदाधिकारी की अध्यक्षता में ३ सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमिटी का गठन किया है जो अपनी जांच रिपोर्ट संघ के सामने पेश करेगी।

संघ ने कहा कि हम भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करते, लेकिन कानून के नाम पर अपनाई जा रही दमनकारी और मनमाननी कार्यशैली को मूकदर्शक बनकर बर्दाश्त भी नहीं कर सकते।

पृष्ठ एक का शेषांश

जम्मू-कश्मीर को राज्य---

अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने २४ जून २०२१ को पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक को याद दिलाया, जिसमें पीएम मोदी ने दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच विश्वास की कमी को दूर करने की बात कही थी। फारूक अब्दुल्ला ने सवाल किया कि क्या वाकई वह दूरी कम हो सकी है? उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का भी आत्मसम्मान है, वे भारत के ताज हैं, पैर के जूते नहीं। फारूक अब्दुल्ला ने बीजेपी नीत केंद्र सरकार पर एलजी के जरिए राज्य की शासन-व्यवस्था को नियंत्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर राजभवन के जरिए ही लोगों को परेशान करना था, नौकरियों से निकालना था और बुलडोजर चलवाना था, तो फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे क्यों बढ़ाया। उमर अब्दुल्ला ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र को पहले ही बता देना चाहिए था कि वे सरकार के हाथ पीछे बांधकर काम कराएंगे और ऐसे अधिकारी देंगे जो फैसलों को लागू नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वे भी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव चाहते हैं, लेकिन इन चुनावों को कराने का उपयुक्त समय क्या होगा, इसका फैसला जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार ही करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उनकी शालीनता और चुप्पी का मजाक बना दिया है।

17 को लॉन्च होगी---

नियमित संचालन के दौरान हाइड्रोजन ट्रेन नंबर ७४०१० सुबह ७:४० बजे जींद से रवाना होगी और करीब दो घंटे बाद सुबह ९:४० बजे सोनीपत पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर ७४००९ सुबह १०:४० बजे सोनीपत से चलेगी और दोपहर १:०० बजे जींद पहुंचेगी।

उत्तराखंड में तेज बारिश से---

जारी है। मौसम के खराब मिजाज और भूस्खलन के खतरों को देखते हुए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। केदारनाथ यात्रा के रास्ते पर किसी भी इमरजेंसी या मुसीबत से निपटने के लिए रेस्क्यू और रेस्पॉन्स टीमें लगातार नजर रख रही हैं, ताकि यात्रियों को तुरंत मदद दी जा सके। आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी ने सभी विभागों और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। यात्रा मार्ग पर जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें अपने तय स्थानों पर पूरी तरह अलर्ट रहने को कहा है। प्रशासन का कहना है कि केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित और सही तरीके से चलाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों को भी यह सलाह दी गई है कि वे मौसम का हाल जानने और प्रशासन के नियमों को समझने के बाद ही अपनी यात्रा में आगे बढ़ें।

बांग्लादेश में आतंकी---

हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आम तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-भाग है। यह संकरा गलियारा देश के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों-अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा-को शेष भारत से जोड़ता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई लगभग २२ किलोमीटर है, जिसके कारण इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्क बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े किसी भी सुरक्षा दावे का मूल्यांकन आधिकारिक खुफिया सूचनाओं और सरकारी जांच के आधार पर ही किया जाना चाहिए। फिलहाल बांग्लादेश में कथित आतंकी शिविरों और उनके भारत की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को---

है, जहां से वैश्विक कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस मार्ग पर बढ़ते सैन्य तनाव का असर अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। विश्लेषकों का मानना है कि हालिया घटनाक्रम ने पहले से जारी संघर्षविराम और कूटनीतिक प्रयासों को गंभीर झटका पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर मतभेद पहले से ही बने हुए थे। अब नए सैन्य टकराव ने क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंकाओं को और बढ़ा दिया है। फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय समुदाय स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

नीता अंबानी ने---

नीता अंबानी ने कहा कि नेतृत्व का मतलब केवल सफलता हासिल करना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना भी है जहां हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का मौका मिले। उन्होंने कहा कि अगर भारत को भविष्य में और मजबूत बनाना है तो लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों में निवेश करना सबसे जरूरी है। उनका मानना है कि महिलाओं को केवल आर्थिक सेवाओं तक पहुंच देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें संपत्ति बनाने और वित्तीय फैसले लेने में भी सक्षम बनाना होगा। कार्यक्रम में मौजूद कई उद्योग जगत के नेताओं ने भी माना कि आज एआई, नई तकनीक और बदलती वैश्विक परिस्थितियां कारोबार का तरीका बदल रही हैं। इसके बावजूद सफल नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहकों की जरूरतों को समझना और सही फैसला लेने की क्षमता ही रहेगी। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि आने वाले सालों में वे कंपनियां सबसे ज्यादा सफल होंगी जो तकनीक के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी महत्व देंगी। एक्सपर्ट का मानना है कि यह सम्मान सिर्फ नीता अंबानी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और सामाजिक विकास के बढ़ते महत्व का भी प्रतीक है। आने वाले समय में उद्योग जगत की बड़ी कंपनियों से भी ऐसी ही सामाजिक भागीदारी की उम्मीद की जा रही है, ताकि आर्थिक विकास के साथ-साथ समाज के हर वर्ग तक उसका लाभ पहुंच सके।

'एक खेल, एक संघ, एक पहचान' की मांग को लेकर थ्रोबॉल खिलाड़ियों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

रांची (एजेंसी): रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में रविवार को राष्ट्रीय और राज्य स्तर के थ्रोबॉल खिलाड़ियों ने एक खेल, एक संघ, एक पहचान के समर्थन में शांतिपूर्ण सांकेतिक प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने सिर पर काली पट्टी बांधकर अपनी मांग रखी और राज्य में प्रत्येक खेल के लिए एक ही मान्यता प्राप्त खेल संघ की व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। प्रदर्शन में शामिल खिलाड़ियों का कहना था कि झारखंड में पिछले कई वर्षों से थ्रोबॉल खेल का लगातार विस्तार हुआ है और राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनका मानना है कि खेल के विकास की इस यात्रा को समानांतर संगठन बनाकर प्रभावित करने की कोशिश खिलाड़ियों के हित में नहीं है।

खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित दक्षिण एशियाई थ्रोबॉल प्रतियोगिता का भी जिक्र किया जिसमें झारखंड के खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक हासिल किए। उनका कहना था कि ऐसी उपलब्धियां लंबे समय से चल रहे संगठित प्रयासों का परिणाम हैं और किसी भी तरह का संगठनात्मक विवाद खिलाड़ियों के भविष्य पर असर डाल सकता है।

झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने कहा कि किसी भी खेल की प्रगति एकजुटता, निरंतरता और मजबूत संस्थागत व्यवस्था से होती है। उन्होंने सभी पक्षों से खिलाड़ियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सकारात्मक माहौल बनाए रखने की अपील की। भारतीय थ्रोबॉल टीम के कोच नगीना कुमार ने कहा कि झारखंड ने देश को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। खेल से जुड़े अनावश्यक विवाद खिलाड़ियों के करियर को प्रभावित करते हैं इसलिए सभी को खेल के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

संविदा पर नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटरों ने नई भर्ती नीति का किया विरोध, महाजुटान का ऐलान

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्य संविदा/एकमुश्त/अनुबंध/दैनिक कर्मी कंप्यूटर ऑपरेटर मोर्चा की आमसभा रविवार को पुरानी विधानसभा मैदान के समक्ष आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के अशोक कुमार सिंह (नयन) ने की। सभा में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग द्वारा हाल ही में जारी भर्ती संबंधी संकल्प का विरोध करते हुए वर्षों से कार्यरत संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों को बिना परीक्षा नियमित करने की मांग उठाई गई। इस बैठक में झारखंड राज्य सचिवालय सहित सभी जिलों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हुए।

20-25 वर्षों से दे रहे सेवा

वक्ताओं ने कहा कि झारखंड गठन के बाद से विभिन्न विभागों में २० से २५ वर्षों से संविदा, एकमुश्त, अनुबंध और दैनिक कर्मी के रूप में कंप्यूटर ऑपरेटर सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में जारी संकल्प में कंप्यूटर ऑपरेटर के पदों पर ८५ प्रतिशत सीधी भर्ती का प्रावधान किया गया है, जबकि वर्षों से कार्यरत कर्मियों को केवल १५ प्रतिशत वेटेज देकर प्रतियोगी परीक्षा में शामिल करने की व्यवस्था की गई है।

इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा गया कि दिन-रात सरकारी कार्य करने वाले कर्मियों का अनुभव नजरअंदाज किया जा रहा है। मोर्चा की मांग है कि पहले तीन से चार हजार कार्यरत संविदा, एकमुश्त, अनुबंध और दैनिक कर्मी कंप्यूटर ऑपरेटरों का वरीयता के आधार पर बिना परीक्षा नियमितीकरण एवं समायोजन किया जाए, इसके बाद ही शेष रिक्त पदों पर नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए।

सभा में वित्त विभाग द्वारा कंप्यूटर ऑपरेटरों को मिलने वाले २४०० ग्रेड पे के लाभ को समाप्त किए जाने का भी विरोध किया गया। इसे तत्काल बहाल करने की मांग करते हुए कहा गया कि संविदा कर्मियों के हितों में कटौती स्वीकार नहीं की जाएगी।

10 अगस्त को मोराबादी मैदान में जुटेंगे

मोर्चा ने कहा कि मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर न्यायपूर्ण निर्णय लेने की अपेक्षा है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो १० अगस्त को मोराबादी मैदान में राज्यभर के संविदा, एकमुश्त, अनुबंध और दैनिक कर्मी कंप्यूटर ऑपरेटरों का बड़ा सम्मेलन आयोजित कर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सभा में राजेश कुमार आजाद, संतोष तिवारी, लोकेश कुमार यादव, मिथिलेश कुमार, अनुज सिन्हा, मोतीलाल महतो, चंदन हलदर, रविंद्र कुमार, निलय कुमार, धनंजय कुमार, संजीव कुमार, विनय कुमार, पुष्पा कुमारी, अर्जुन कुमार और रणजीत कुमार सहित बड़ी संख्या में संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

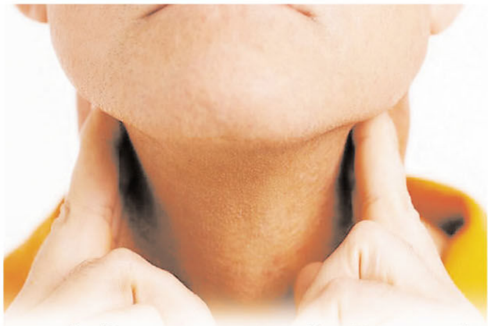

गले के आकार में दिखाई दें ये बदलाव तो हो सकता है लिम्फोमा कैंसर

कैंसर का नाम सुनते ही लोग डर जाते हैं क्योंकि इस खतरनाक बीमारी का सही इलाज ना होने पर व्यक्ति के बचने के चाइंस बहुत कम होते हैं, हालांकि अगर समय रहते इसके लक्षणों के बारे में पता चल जाए तो इसे काबू में भी किया जा सकता है। बदलती जीवनशैली इस बीमारी को तेजी से फैला रही है। कैंसर के बहुत सारे रूप हैं, जिसमें से एक है लिम्फोमा कैंसर। यह शरीर के अलग-अलग अंगों को प्रभावित करता है। गले में इस कैंसर का होना बहुत खतरनाक माना जाता है क्योंकि इसके होने से सांस लेने पर मरीज के बाकी अंगो को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और यह बाकी के अंगों को भी अपनी चपेट ले लेता है। आज हम आपको इसके लक्षण बताएंगे, जिसे पहचान कर आप सही समय पर इसका इलाज करा सकें।

लिम्फोमा कैंसर

इस कैंसर के होने से शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं और श्वेत रक्त कोशिकाएं तेजी से बढ़ने लगती है और स्वस्थ कोशिकाओं को काम करने से रोकती है। गले में कैंसर होने के कारण लिम्फ नोड्स बढ़ते हैं, जिससे गले का आकार बढ़ जाता है। कई बार गले के इस बढ़े हुए आकार का आसानी से पता नहीं चलता और न ही किसी तरह का दर्द होता है। अगर यह आकार 3 से 4 सप्ताह से ज्यादा बना रहे तो यह खतरनाक हो सकता है। इस तरह की समस्या दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

लिम्फोमा कैंसर के लक्षण

जब कभी किसी के गले में लिम्फ नोड्स कैंसर की शुरूआत होती है तो इसका शरीर के अन्य भागों में बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। सबसे पहले पर इसका असर गले के आसपास के अंगो पर दिखाई देता है। इसके लक्षण को पहचान कर तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करें।

- गले में सूजन रहना।
- गले में खारिश रहना और कान के पास दर्द होना।
- नाक का ब्लॉक होना।
- मुंह और होंठ सुन्न होने।
- दांतों में दर्द होने लगता है और खाना चबाने में मुश्किल होती है।
- सुनने की शक्ति कमजोर होती है।

इसके संकेतों को न करें नजरअंदाज

तुरंत शुरू करवाएं इलाज

टीब्री.का पूरा नाम ट्यूबरकुल बेसिलाइ है। यह एक संक्रामक बीमारी है जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु के फैलने के कारण होती है। टीब्री. ज्यादातर फेफड़ो पर हमला करती है लेकिन यह फेफड़ो से रक्त प्रवाह के साथ शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित करती है। टीब्री.की बीमारी हवा के द्वारा बहुत जल्दी फैलती है। यदि टीब्री से ग्रसित रोगी खुली हवा में छींकता, खासता या बोलता है तो यह बीमारी दूसरे को भी अपनी चपेट में ले लेती है। इसलिए रोगी को अपने मुंह पर मास्क या फिर कपड़ा बांध कर रखना चाहिए। आज हम आपको टीब्री.के लक्षण, प्रकार और उपचार के बारे में बताएंगे, जिससे आप इस बीमारी के गंभीर रूप से बच सकते हैं।

टी.बी. के लक्षण

- लगातार तीन हफ्ते से ज्यादा खांसी रहना या खांसी के साथ खून आना।
- शाम को बुखार होना और ठण्ड लगना।
- छाती में दर्द रहना और जरा-सा चलने पर सांस फूलना।
- वजन का अचानक कम होना और थकान महसूस होना।
- फेफड़ो में बहुत ज्यादा इंफेक्शन होना।

टी.बी. रोग के प्रकार

फुफ्सीय टीबी

यह टीबी फेफड़ो में इंफेक्शन के कारण होती है। इस प्रकार की टीब्री.होने पर सीने में दर्द और लंबे समय तक खांसी व बलगम हो सकती है। अगर इसका ठीक समय पर ईलाज न किया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकती है।

पेट की टीब्री.

इस टीब्री. का पहचान पाना बहुत मुश्किल होता है। इसका तब चलता है जब पेट में गांठें बनने लगती है। रोगी को पेट की समस्याएं जैसे बार-बार दस्त लगना, पेट में दर्द रहने लगता है।

एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी

इस टीब्री.के होने पर शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं। यह बीमारी उन लोगों को जल्दी घेरती है जिन में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है और छोटे बच्चे इस बीमारी से बहुत जल्दी ग्रसित होते हैं।

इन तरीकों से करें टीब्री. की जांच

टीबी के लक्षण दिखाई देने पर रोगी को ये टेस्ट करवाने चाहिए।
स्पुटम/अन्य फ्लूइड टेस्ट
स्किन टेस्ट (मोन्टेक्स टेस्ट)
जीन एक्सपर्ट टेस्ट
4.टीबी का उपचार
इस बीमारी के होने पर इसके जीवाणुओं को खत्म करने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है।

टीबी की रोकथाम

- इस बीमारी की रोकथाम के लिए बच्चों को बैसिलस कैल्मेट-ग्यूरिन (बीसीजी) का टीकाकरण कराना चाहिए।
- टीब्री.के लक्षण दिखने पर तुरंत ही किसी डॉक्टर से चैकअप कराना चाहिए।
- रोगी को मास्क पहन कर रखना चाहिए और उसे खुले में या फिर भीड़-भाड़ वाली जगह पर थूकना नहीं चाहिए।
- साफ-सफाई के ध्यान रखने के साथ-साथ कुछ बातों का ध्यान रखने से भी टीबी के संक्रमण से बचा जा सकता है।
- शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए रोगी को ताजे फल, सब्जी और कार्बोहाइड्रेड, प्रोटीन, फैट युक्त आहार का सेवन करना चाहिए ताकि वह जल्दी ठीक हो सकें।
- रोगी से दूरी बना कर रखें क्योंकि संक्रमित रोग है।

फ्रिज में रखे आटे को इस्तेमाल करने से हो सकती हैं ये परेशानियां

अक्सर घर की महिलाएं रोटी बनाते समय बचे हुए आटे को फ्रिज में रख देती हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी यह आदत आपकी सेहत पर भारी पड़ सकती है। आपको यह सुनकर बेहद हैरानी हो रही होगी कि फ्रिज में रखा आटा कैसे आपका दुश्मन बन सकता है.आइए जानते हैं फ्रिज में रखे आटे को इस्तेमाल करने से होने वाले नुकसान के बारे में।

वैज्ञानिक तथ्य

विशेषज्ञों की माने तो आटा भिगोते ही तुरंत उसका इस्तेमाल कर लेना चाहिए वरना उसमें कई ऐसे रसायनिक बदलाव आते हैं जो सेहत के लिए बहुत हानिकारक माने जाते हैं।आटे को गूंथकर फ्रीज में रखने से फ्रीज की हानिकारक किरणें उसमे प्रवेश कर जाती हैं और उसे खराब कर देती है। जब इस तरह के आटे से रोटी बनाकर खाई जाती हैं तो बीमारियों का होना स्वभाविक होता है। आयुर्वेदिक तथ्य- बता दें कि इस बारे में आयुर्वेद में भी स्पष्ट कहा गया है कि फ्रिज में आटा गूंथकर नहीं रखना चाहिए। बासी आटे की रोटी का स्वाद ताजे गूंथे आटे की रोटी जैसा नहीं होता है।

धार्मिक कारण

शास्त्रों में भी कहा गया है कि बासी भोजन भूत का भोजन होता है। माना जाता है जब घरों में बचे हुए आटे को फ्रिज में रख दिया जाता है तो वह पिंड के समान हो जाता है। तब भूत-प्रेत इस पिंड का भक्षण करने के लिए घर में आना शुरू हो जाते हैं। जिन परिवारों में इस तरह कि आदत होती है वहां किसी न किसी प्रकार का रोग और आलस का डेरा हमेशा बना रहता है।

ले रहे हैं चाय की चुस्की तो रखें इन बातों का ध्यान

चाय हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हम चाहकर भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। जिस दिन चाय ना पियों तो ऐसा लगता है मानों दिन की शुरुआत ही नहीं हुई है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग सुबह की शुरुआत चाय के साथ करते हैं। क्या आपको लगता है कि यह एक अच्छी आदत है? रिसर्च के अनुसार सुबह खाली पेट चाय पीना काफी नुकसानदायक हो सकता है, खासतौर पर गर्मियों में। चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं जो कि शरीर में ऊर्जा भर देते हैं। अगर आपका बिना चाय पिए काम नहीं चलता है तो आज हम चाय के बारे में कुछ जरुरी जानकारी है जो हम आपके साथ आज शेयर कर रहे हैं। अगर आप खाली पेट या फिर अधिक चाय पीते हैं तो आपको इसके नुकसान के बारे में जरुर पता होना चाहिये।

चाय में ढेर सारा एसिड होता है जिसे खाली पेट सुबह पीने से पेट के रस पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिये कई लोगों को सुबह चाय पीनी अच्छी नहीं लगती।
रिसर्च के अनुसार पाया गया है कि जो लोग खाली पेट बहुत अधिक दूध वाली चाय पीते हैं, उन्हें थकान का एहसास होता है। चाय में दूध मिलाने से एंटीऑक्सीडेंट का असर खतम हो जाता है।
चाय में दूध ना मिलाया जाए तो वह काफी फायदा पहुंचाती है, जैसे मोटापा कम करना। पर अगर अधिक ब्लैक टी का सेवन किया जाए तो वह सीधे पेट पर असर करती है।
चाय में टैनिन होता है, खासतौर पर गहरे रंग वाली चाय में। ऐसे में वह आपके खाने में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकती है इसलिये दोपहर में खाना खाने के बाद चाय ना पियें। चाय के साथ बिस्कुट या अन्य चीजें खाने से पेट द्वारा चाय अच्छी तरह से पचा ली जाती है। दूसरी ओर चाय के साथ नमकीन या मीठा खाने से शरीर को सोडियम की प्राप्ति होती है, जिससे अल्सर नहीं होता।

आइसक्रीम खाने से सेहत भरे लाभ

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन- मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को

आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में कै लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

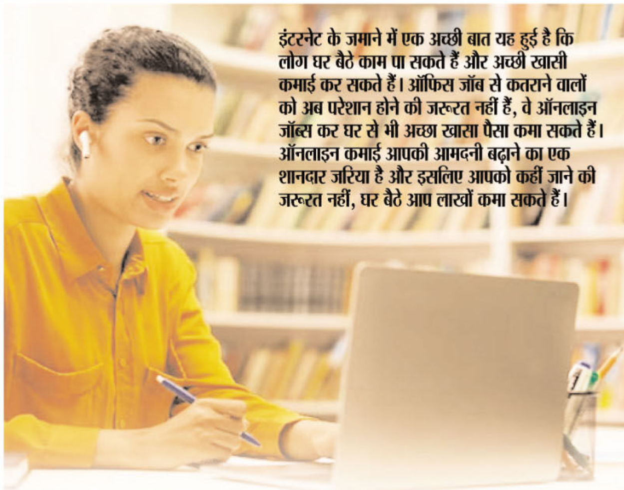

इंटरनेट के जमाने में एक अच्छी बात यह हुई है कि लोग घर बैठे काम पा सकते हैं और अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। ऑफिस जॉब से कतराने वालों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं हैं, वे ऑनलाइन जॉब्स कर घर से भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऑनलाइन कमाई आपकी आमदनी बढ़ाने का एक शानदार जरिया है और इसलिए आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे आप लाखों कमा सकते हैं।

ऑफिस जॉब से कतराने वाले ऑनलाइन जॉब्स कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

ऑनलाइन सेलिंग

आप ऑनलाइन सेलिंग के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो अपने प्रॉडक्ट को अमेजन, फ्लिपकार्ट, ईबे जैसी बड़ी शॉपिंग वेबसाइट्स पर बेचकर लाखों कमा रहे हैं। आपको सबसे पहले तय करना होगा कि कौन-सा प्रोडक्ट सेल करना चाहते हैं। इसके बाद इन साइट्स पर साइनअप करें और अपने प्रोडक्ट को बेचना शुरू कर दें। आपके ऑर्डर आपके मेल बॉक्स में आ जाएंगे और आपको इन्हें कुरियर कंपनी के माध्यम से डिलीवर करने होंगे।

यूट्यूब से कमाएं

अभी तक भले ही आपने यूट्यूब का इस्तेमाल केवल मनोरंजन के लिए किया है तो अब जरा इसका दूसरा पहलू देख लें। आप यूट्यूब के माध्यम से अच्छा खास पैसा भी कमा सकते हैं। इसके लिए आपको इसके लिए यू-ट्यूब पर एक चैनल बनाना होगा और फिर उस पर यूनिक वीडियो अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गूगल एडसेंस का अप्रूवल लेकर अपने हर वीडियो से आप पैसे कमा सकते हैं। जितना अधिक आपकी वीडियो देखी जाएगी, उतना ही पैसा आप कमाएंगे।

माइक्रो जॉब्स

माइक्रो जॉब्स का सीधा सा मतलब छोटे-छोटे टास्क पूरा करने से है। छोटे-छोटे काम पूरा करने में आपको कुछ ही सेकंड्स लगेंगे लेकिन अच्छी कमाई भी होगी।

ब्लॉगिंग

यह एक शानदार जॉब है। अगर आपको लिखने का शौक है तो ब्लॉगर के तौर पर आप घर बैठे अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप एक पेड ब्लॉग भी बना सकते हैं। अगर आपका अपना ब्लॉग है तो आप अपने ब्लॉग पर कई प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकते हैं। कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार के लिए पैसा देती है।

कैसे करें आइलेट्स की तैयारी

आप अक्सर लोगों को आइलेट्स की तैयारी के बारे में बात करते देखते होंगे। हो सकता है कि आपके बच्चे भी आइलेट्स की तैयारी कर रहे हों। आइलेट्स की परीक्षा ऑस्ट्रेलिया, यूके, न्यूजीलैंड, यूएसए और कनाडा जैसे अंग्रेजी बोलने वाले देशों शिक्षा के लिए जरूरी होती है। भारत में रहने वाले ढेर सारे बच्चे हर साल इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि आइलेट्स की तैयारी कैसे करनी चाहिए। साथ ही किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

आइलेट्स का सिलेबस

आइलेट्स का सिलेबस आसान भी होता है और मुश्किल भी। परीक्षा को 4 भाग में विभाजित किया गया है जिसमें रीडिंग, स्पीकिंग, राइटिंग और लिस्टनिंग शामिल है। इन चारों मुख्य बिंदु के साथ-साथ आपको जर्नल नॉलेज पर भी अच्छी कमांड रखनी चाहिए।

सबसे पहले पेपर को समझें

आइलेट्स की परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के पास 2 घंटे 45 मिनट का समय होता है। इस दौरान रीडिंग, राइटिंग, स्पीकिंग और लिसनिंग जैसे चरण पार करने होते हैं। कोशिश करें कि आप इस फॉर्मेट को समझें और उसी के मुताबिक पेपर की तैयारी करने की कोशिश करें। समय सीमा को दिमाग में रखकर तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए आईलेट्स की परीक्षा कलियर करना थोड़ा आसान होता है।

रोजाना करें प्रैक्टिस

आइलेट्स समेत किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी है कि आप रोजाना अभ्यास करें। लिखने, बोलने और सुनने से समझ आएगा कि आप कहां चुक रहे हैं। स्पीड को बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका भी रोजाना अभ्यास करना है।

ऑनलाइन फ्री क्लासेस का उठाएं फायदा

आज आपको ऑनलाइन फ्री क्लासेस के कई विकल्प मिल जाएंगे। यूटयूब समेत कई प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन फ्री क्लासेस दी जाती हैं जहां से आप घर बैठे-बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।

फ्री टेस्ट अटेम्प्ट करें

सिर्फ तैयारी करने से ही नहीं बल्कि अपनी तैयारी को देखने के लिए टेस्ट भी दें। टेस्ट देने से आपकी तैयारी किस दिशा में जा रही है और आपको कितने तैयारी की जरूरत है या साफ हो जाता है।

डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हैं नौकरी के अवसर

करियर में इन लर्निंग से कम समय में बेहिसाब सफलता मिल सकती है। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। सबसे पहले, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसमें आपकी रुचि और प्रतिभा हो। अगर आप किसी क्षेत्र में रुचि नहीं रखते हैं, तो आपको सफल होने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आप इन आसान तरीकों से करियर में गोल सेट कर सकते हैं और लर्निंग हासिल कर सकते हैं।

कैरियर काउंसलर के मुताबिक कृत्रिम मेधा ने मशीनी दुनिया को एक नई पहचान दी है। इसके नए-नए आविष्कारों से लोगों को न सिर्फ सहूलियत मिल रही हैं, बल्कि तकनीकी विकास से हाल के दौर में इससे जुड़े क्षेत्र युवाओं में भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। आज युवा मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग की बात कर रहे हैं। मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम मेधा का एक भाग है। वहीं डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग का एक भाग होने के साथ एक मल्टी न्यूरल नेटवर्क भी है, जो मस्तिष्क की संरचना और कार्य से प्रेरित होता है और उसे मशीन में उतारने की कोशिश करता है।

सुनियोजित तरीके से क्यों रखे कदम

डीप लर्निंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं साइंस स्ट्रीम से करने के बाद जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड जैसी प्रवेश परीक्षाएं देकर बीटेक और बी ई ग्रेजुएशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। स्नातक करने के बाद अगर आप इस क्षेत्र में अपने नॉलेज के लेवल को बढ़ाना चाहते हैं, तो पोस्ट ग्रेजुएशन में प्रवेश के लिए गेट परीक्षा देकर एमटेक और एम ई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स के क्या हैं फायदे

डीप लर्निंग के क्षेत्र में अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिए आप ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पीजी में मशीन लर्निंग एंड बिग डाटा एनालिटिक्स, बिग डाटा आदि सब्जेक्ट में सर्टिफिकेट कोर्स कर के अपने करियर को शेप दे सकते हैं। ये सर्टिफिकेट कोर्स न केवल आपकी योग्यता को बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि इस क्षेत्र में आपको प्रैक्टिकल स्किल्स भी दिलाएंगे।

इंटर्नशिप से ऐसे करें शुरुआत

अगर आप डीप लर्निंग के क्षेत्र में अभी शुरुआती पड़ाव पर हैं, तो ऐसी कंपनियों की तलाश करें, जहां आप बतौर इंटर्न के तौर पर न्यूरल नेटवर्क, डाटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में कार्य करके अपना अनुभव बढ़ा सकते हैं। इंटर्नशिप के साथ-साथ नेटवर्किंग में सक्रिय रहें, मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी बनाएं और काम के क्षेत्र में अपने स्किल्स और क्रिएटिविटी को भी समय-समय पर अपने मैनेजर के सामने प्रजेंट करें। उन कंपनियों को तलाशें जहां न्यूरल नेटवर्क और मशीन लर्निंग में इंटर्नशिप की जा सकती हो। इससे आप अपनी प्लानिंग को आसानी से इंप्लिमेंट कर पाएंगे।

क्या है जरूरी योग्यताएं

डीप लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए आपके पास औपचारिक शैक्षिक योग्यताओं के अलावा इस क्षेत्र से संबंधित कौशल का होना भी अनिवार्य है। आपको क्लाउड कंप्यूटिंग का ज्ञान, एल्गोरिदम की समझ और पाइथन, जावा, जावा स्क्रिप्ट जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज का ज्ञान होना बेहद जरूरी है।

संभावनाएं व सैलरी

एक डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मौजूद हैं, जिनमें सेवाएं शामिल हैं। वहीं, कैरियर काउंसलर का मानना है कि सफल करियर बनाने के लिए अलग-अलग अनुभव लेना, उन्हें समझना और उन अनुभवों से अपने आपको सही रास्ता दिखाना बहुत जरूरी होता है।

- सॉफ्टवेयर और सूचना सेवाएं
- मैन्युफैक्चरिंग
- वित्त व बीमा
- हेल्थ केयर एंड सोशल असिस्टेंट
- व्यावसायिक
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी

सैलरी पैकेज की बात की जाए, तो एक जूनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये और सीनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 80 हजार रुपये तक कमा सकता है।

मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं

भारत मेडिकल टूरिज्म के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना हुआ है। हर साल मेडिकल टूरिस्ट की संख्या में वृद्धि हो रही है और इसकी वजह से इस क्षेत्र में जॉब के मौके भी खूब देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दुनिया के दूसरे विकसित देशों के मुकाबले भारत में उपलब्ध सस्ते मेडिकल ट्रीटमेंट और एजुकेशन सर्विसेज के कारण यह मेडिकल टूरिज्म का ग्लोबल हब बन सकता है। 2028 तक हेल्थकेयर सेक्टर में करीब 40 मिलियन से ज्यादा जॉब जेनरेट होने का अनुमान है। साफ है कि मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं रहेगी।

क्या है मेडिकल टूरिज्म

छुट्टियों में लोग ऐसे स्थानों पर जाना चाहते हैं, जहां वे पर्यटन का लुत्फ तो उठा ही सकें, उनके शौक व स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाए। इस कारण से देश में ऐसे केंद्रों का विकास हो रहा है, जहां हीलिंग ट्रेडिशंस, आयुर्वेद, योग, मेडिटेशन, एरोमाथेरेपी, यूनानी व सिद्धा, होम्योपैथी, तिब्बती चिकित्सा, नेचुरोपैथी, एक्यूपंचर और एक्यूप्रेशर, जेम थेरेपी, रेकी हीलिंग, चक्र थेरेपी, बॉडी मसाज और ऑयल थेरेपीज की सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़ी ट्रैवल एजेंसियों में मेडिकल टूरिज्म का अलग विभाग होता है। मेडिकल टूरिज्म को मेडिकल ट्रैवल भी कहते हैं, जिसमें टूरिज्म इंडस्ट्री और मेडिकल केयर के सहयोग से विदेशी या देशी पर्यटकों को कम खर्च पर मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। ट्रीटमेंट के साथ-साथ सैलानियों को उस जगह या देश को एक्सप्लोर करने का मौका भी दिया जाता है। उन्हें अपने घर जैसा एहसास कराया जाता है। लोकेशन या ट्रीटमेंट प्रोसिजर के आधार पर मेडिकल वैकेशन में विदेशी सैलानियों की 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की बचत हो जाती है।

योग्यता

अगर आप मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो अगर आप इस फील्ड से रिलेटेड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। कई इंस्टीट्यूट्स मेडिकल टूरिज्म में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एमबीए कोर्स संचालित करते हैं। कैंडिडेट को ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री की भी जानकारी दी जाती है। रेगुलर के अलावा ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन के जरिए भी मेडिकल टूरिज्म से संबंधित कोर्स किए जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में नदी पार करते समय पुल से टकराई फेरी, दो बच्चों की मौत

दमिश्क, एजेंसी। पूर्वी सीरिया में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। फरात नदी को पार

करते समय 35 से ज्यादा को ले जा रही एक फेरी पुल से टकराकर डूब गई, इस हादसे में दो बच्चों की जान चली गई। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नदी के किनारे अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। वीडियो में बचावकर्मी और स्थानीय लोग हादसे के बाद पानी में फंसे लोगों की मदद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीरियाई सिविल डिफेंस ने बताया कि यह हादसा दीर अल-ज़ोर शहर में हुआ, जहां फेरी पुल से टकराने के बाद पलट गई और डूब गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग पानी में गिर गए. बचाव दल ने नदी से 15 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया, जबकि लापता लोगों की तलाश जारी है। सीरियाई सिविल डिफेंस के अनुसार, आपातकालीन दल जिंदा बचे लोगों की तलाश और पीड़ितों के शव निकालने के लिए इलाके की छानबीन कर रहे हैं. हादसे का स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जांच एजेंसी पता चलाने की कोशिश कर रही है कि फेरी पुल से कैसे टकराई।

ट्रंप के करीबी अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम का निधन

वाशिंगटन। अमेरिका के सीनियर सीनेटर और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम को निधन हो गया। यह जानकारी उनके कार्यालय द्वारा रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर दी गई। उनके कार्यालय ने ङ्म पर पोस्ट किए गए एक बयान में बताया कि ट्रंप के बेहद करीबी सहयोगी रहे लिंडसे ग्राहम का शनिवार शाम अचानक हुई बीमारी से निधन हो गया बयान के अनुसार, सीनेटर ग्राहम का परिवार इस समय प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद दिया गया और इस मुश्किल टाइम में प्राइवेसी बनाए रखने की अपील की गई। जानकारी के अनुसार, सीनेटर लिंडसे ग्राहम उस बिल को पारित करवाने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। यह बिल रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था भारत पर 500ङ्म टैरिफ वाला ला रहे थे बिल सीनेटर

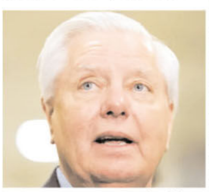

लिंडसे ग्राहम डोनाल्ड ट्रंप के काफी करीबी थे और इस वक्त उस बिल को पारित करवाने की तैयारी कर रहे थे जिसमें भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये बिल रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाने को लेकर था। इस मांग को लेकर ट्रंप प्रशासन से समझौता हो गया था। लेकिन अब उनका निधन हो गया है।

2002 में पहली बार चुने गए थे सीनेट

बताते चलें कि दक्षिण कैरोलिना के निवासी ग्राहम साल 2002 में पहली बार अमेरिकी सीनेट के लिए चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने 2008, 2014 और 2020 के चुनावों में भी लगातार जीत दर्ज की। सीनेटर 2008 के आम चुनाव में अपने राज्य में 10 लाख से अधिक वोट पाने वाले पहले राजनेता थे।

अमेरिकी बमबारी के बाद खाड़ी देशों में ईरान के हमले

तेहरान, एजेंसी। ईरान के ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमिनिया ने एक बार फिर अमेरिका से तेहरान और वॉशिंगटन के बीच 16 जून को हुए समझौते की शर्तों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बातचीत में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका के हस्तक्षेप से एक ऐसा गैरकानूनी रास्ता बनाया गया, जिससे इलाके में असुरक्षा पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं जलडमरूमध्य में ईरानी लोगों के अधिकारों की मजबूती से रक्षा करेंगी। अकरमिनिया ने यह भी कहा कि सेना लगातार अपने 'निशानों की सूची' को अपडेट कर रही है।

आगे की सूचना तक बंद रहेगा होर्मुजः आईआरजीसी

आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य आगे की सूचना मिलने तक बंद रहेगा। यह स्थिति तब तक जारी रहेगी, जब तक पूरे क्षेत्र में अमेरिका का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो जाता। अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

आईआरजीसी ने कहा- माननी पड़ेंगी शर्तें

ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा, करीब 140 ठिकानों को बनाया

निशानाः अमेरिकी सेनाङ्म अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को कहा कि उसने ईरान पर हवाई हमलों का नया दौर पूरा कर लिया है। सेना के अनुसार, इन हमलों में करीब 140 ठिकानों को निशाना बनाया गया।

सेंटकॉम ने बताया कि निशाना बनाए गए ठिकानों में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने वाली जगहें, हथियार और गोला-बारूद रखने के ठिकाने, संचार उपकरण और अन्य स्थान शामिल थे।

अमेरिकी सेना ने कहा कि इन हमलों से ईरान की उस क्षमता को कमजोर किया गया है, जिसके जरिये वह होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले आम नाविकों और व्यावसायिक जहाजों पर हमला कर सकता है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान ने रविवार सुबह इसके जवाब में बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को निशाना बनाकर हमले किए। ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस पर कई बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने आईआरजीसी के हवाले से कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने इस एयरबेस पर मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

आईआरजीसी के अनुसार, हमले में एयरबेस का कमान और नियंत्रण केंद्र तथा एमक्यू-9 ड्रोन रखने वाले हैंगर नष्ट कर दिए गए हैं।

बहरीन में मिसाइल हमले की चेतावनी वाले सायरन बजेः संयुक्त अरब अमीरात और कतर पर हमले के बीच बहरीन में मिसाइल हमले की चेतावनी वाले सायरन बजने लगे। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

हमले के बाद चालक दल ने जहाज छोड़ाः यूकेएमटीओ

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमले का निशाना बने मालवाहक जहाज के चालक दल ने जहाज छोड़ दिया है और लाइफबोट में सवार हो गया है। यूकेएमटीओ के अनुसार, यह जानकारी सैन्य अधिकारियों और जहाज की सुरक्षा टीम के अधिकारी से मिली है। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया था कि ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला किया। सेंटकॉम के मुताबिक, जहाज के चालक दल का एक सदस्य लापता है। जहाज में आग लगने और इंजन कक्ष को भारी नुकसान होने के कारण वह अपनी यात्रा जारी नहीं रख सका। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में साइप्रस के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर हमला किया। बंदर अब्बास, सीरिक, चाबहार, बंदर-ए-दय्यर और असालुयेह बंदरगाह शहरों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। इन हमलों से पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से बंद करने का एलान किया था। उसने यह भी कहा कि उसने एक ऐसे जहाज पर चेतावनी के तौर पर गोली चलाई, जो उसके अनुसार बिना अनुमति वाले मार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहा था।

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला की हत्याः बेटा घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक व्यक्ति को अपनी भारतीय मूल की पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने और अपने बेटे को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आरोपी किर्क बी रेजियन (56 वर्षीय) को मंगलवार रात अटलांटा के पास कॉब काउंटी में घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उसे कॉब काउंटी के वयस्क हिरासत केंद्र में रखा गया है और जमानत पर रिहा नहीं किया गया है।

उनकी पत्नी 57 वर्षीय शीतल रेजियन स्मिरना में लॉरेल क्रीक ट्रेल स्थित अपने घर के अंदर घायल मिलीं। उन्हें गोली लगी हुई थी। बाद में उनकी मौत हो गई। उनके 23 वर्षीय बेटे जेसन रेजियन घर के बाहर गोली लगने से घायल हालत में मिले। आपातकालीन टीम उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई।

पुलिस को रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को गोली लगी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पुलिस ने किर्क रेजियन की पहचान शीतल के पति और जेसन के पिता के रूप में की।

आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए?: स्थानीय समाचारों के अनुसार, कॉब काउंटी पुलिस ने किर्क पर हत्या, गंभीर हमले के दो आरोप और किसी गंभीर अपराध के दौरान हथियार रखने के दो आरोप लगाए हैं। पुलिस ने इस घटना को घरेलू हिंसा का मामला बताया। पुलिस के अनुसार, आम लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई। जेसन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। जांच के दौरान पुलिस ने कई घंटों तक लॉरेल क्रीक ट्रेल इलाके को बंद रखा। इस घटना से इलाके के लोग हैरान हैं। यहां कुछ परिवार कई दशकों से रह रहे हैं।

20 साल से अधिक समय से इस इलाके में रहने वाली जोआन एंडरसन ने स्थानीय मीडिया से कहा, मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है। मुझे लगा शायद किसी को दिल का दौरा पड़ा होगा या कुछ और हुआ होगा। उन्होंने कहा, हमें अपना इलाका बहुत पसंद है। मैं हैरान हूं। इस घटना ने मेरा दिल तोड़ दिया।

एक अन्य पड़ोसी पीटर ली ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी एक स्थानीय निवासी के संदेश से मिली। उन्होंने आरोपी के बारे में कहा, मैं उसे अक्सर घर के बाहर काम करते देखता था। वह बहुत अच्छा और मिलनसार पड़ोसी था। उन्होंने कहा, यह बहुत दुखद घटना है। यह हमारे बहुत करीब हुई है। पुलिस की जांच अभी भी जारी है।

बच्चों को स्कूल से छुट्टी करवा घूमने ले गई मां, सरकार ने ठोक दिया 60 हजार रुपए जुर्माना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक मां को अपने बच्चों को स्कूल से छुट्टी दिलाकर परिवार के साथ विदेश घूमने जाना महंगा पड़ गया। डेवोन की रहने वाली 36 वर्षीय शार्लोट क्राउच पर स्थानीय प्रशासन ने 480 पाउंड (करीब 60 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया, क्योंकि उन्होंने अपने बच्चों को बिना आधिकारिक अनुमति के स्कूल से पांच दिन की छुट्टी दिलाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शार्लोट अपने पति और चार बच्चों के साथ 1 जून को स्पेन के ग्रैन कैनारिया गई थीं। यह यात्रा उनके पिता और सौतेली मां की शादी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए थी। ब्रिटेन के नियमों के अनुसार, यदि कोई छात्र बिना स्कूल की अनुमति के छुट्टी लेकर घूमने जाता है, तो उसके माता-पिता पर प्रति बच्चे 80 पाउंड का जुर्माना लगाया जा सकता है। समय पर भुगतान नहीं करने पर यह राशि दोगुनी हो सकती है और मामला अदालत तक भी पहुंच सकता है। हालांकि शार्लोट ने बच्चों की अनुपस्थिति की जानकारी पहले ही स्कूल को दे दी थी और यह नहीं छिपाया कि वे परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जा रहे हैं। लेकिन लौटने के करीब एक महीने बाद उन्हें तीन बच्चों की गैर-हाजिरी के लिए कुल 480 पाउंड का जुर्माना भरने का नोटिस मिला। शार्लोट का कहना है कि यदि वे स्कूल की आधिकारिक छुट्टियों में यात्रा करते, तो पूरे परिवार की छुट्टियों का खर्च करीब 2,500 पाउंड (लगभग 2.9 लाख रुपये) अधिक आता। ऐसे में जुर्माना भरने के बाद भी उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई। शार्लोट का मानना है कि बच्चों की शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान बच्चों ने तैराकी सीखी, डॉल्फ़िन को प्राकृतिक वातावरण में देखा, हवाई यात्रा का अनुभव लिया और नई संस्कृति को समझा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर बच्चों की महत्वपूर्ण परीक्षाएं होतीं, तो वह कभी उन्हें स्कूल से छुट्टी नहीं दिलातीं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोगों ने नियमित स्कूल उपस्थिति को जरूरी बताया, जबकि कई यूजर्स ने कहा कि परिवार के साथ बिताया गया।

अमेरिका में खतरनाक हीटवेव के आसार, भीषण गर्मी तोड़ेगी पिछले सारे रिकॉर्ड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिण पश्चिम और ग्रेट प्लेन्स में खतरनाक हीटवेव के आसार बन रहे हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसके चलते इन इलाकों के तापमान में 15 से 25 डिग्री तक का उछाल आ सकता है। इससे तपिश बढ़ेगी और आशंका जताई जा रही है कि रात में भी लोगों को राहत नहीं मिलेगी। इससे लोगों की सेहत को भी खतरा हो सकता है क्योंकि उन्हें गर्मी से उबरने का मौका नहीं मिलेगा। मौसम विभाग ने अनुमान व्यक्त किया है कि आगामी दिनों में बननेवाले हीट डोम से दो-तिहाई अमेरिका प्रभावित हो सकता है। नेशनल वेदर सर्विस बिसमर्क, नार्थ डकोटा के मौसम विज्ञानी जोश एडम ने कहा कि मंगलवार तक तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

तापमान में इस उछाल को अप्रत्याशित माना जा रहा है क्योंकि सामान्यतया तापमान 26 डिग्री के आसपास रहता है।

तापमान में उछाल का असर फ्लोरिडा, मियामी, तांपा, टेक्सास, चार्ल्सटन, साउथ कैरोलिना, डकोटा, नेवाडा, उटाह, कोलोराडो, इडाहो, मोंटाना आदि में देखने को मिल सकता है। लास वेगास में तापमान रिकार्ड 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

चीन में बाढ़ से 18 लाख लोग विस्थापित, बांग्लादेश में 44 की गई जान; हर तरफ तबाही का मंजर

बीजिंग, एजेंसी। जापान और ताइवान में तबाही मचाने के बाद चक्रवात बावी चीन के पूर्वी शहर वेंझोउ की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए 18 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। वहीं, बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम के कम 44 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लाखों लोग बाढ़ में इधर-उधर फंसे हैं।

चीन ने 18 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

तूफान बावी जापान के दक्षिणी साकिशिमा द्वीप समूह में भारी बारिश से आई बाढ़ और तेज हवाओं के बाद उत्तरी ताइवान के पास से गुजरने के बाद पूर्वी चीन के बड़े शहर वेनझोऊ की ओर बढ़ रहा है। इस बीच चीन ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए शनिवार को 18 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया।

हालांकि, ठंडे समुद्र के ऊपर उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए तूफान बावी की रफ्तार कम हो रही है और यह कमजोर पड़ रहा है, फिर भी यह तूफान एक बड़ा खतरा बना हुआ है। तूफान बावी के रविवार सुबह वेनझोऊ के आसपास जमीन से टकराने की संभावना है।

इस शहर की आबादी लगभग 1 करोड़ है। सरकारी मीडिया ने बताया कि झेजियांग प्रांत (जहां वेनझोऊ स्थित है) में 17 लाख से ज्यादा लोगों को और पड़ोसी फुजियान प्रांत में 1 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। हालांकि, जापान और ताइवान में इस तूफान से अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है, लेकिन फिलीपींस में 17 लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई और 10 लाख से ज़्यादा लोग फँस गए। अधिकारी शनिवार को प्रभावित इलाकों में मदद पहुंचाने की कोशिश में जुटे रहे। आपदा प्रबंधन मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सात जिलों- चट्टोग्राम, कॉक्स बाजार, बंदरबन, रंगामाटी, खगराचारी, मौलवीबाजार और हबीगंज में बाढ़ से रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ा है, हजारों परिवार अलग-थलग पड़ गए हैं और 2,67,918 परिवार फंस गए हैं।

बिजली गुल होने, सड़कों के क्षतिग्रस्त होने और संचार संपर्क टूटने से बचाव और राहत कार्यों में देरी हुई है। कई निवासी कई दिनों से खाना नहीं बना पाए हैं क्योंकि बाढ़ का पानी उनके घरों में घुस गया है। चट्टोग्राम के बाढ़ प्रभावित इलाके के निवासी नूरुल इस्लाम ने कहा, ÷हमारे घर के अंदर अभी भी पानी भरा है।

अरबों डॉलर का निवेश, फिर भी इंसानों की जगह नहीं ले सके रोबोट; ह्यूमनॉइड रोबोट का कारोबार तेजी से बढ़ा

हांगकांग/बीजिंग, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोबोटिक्स के क्षेत्र में चीन ने ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में उल्लेखनीय बढ़त बनाई है। चीन की कंपनियां दुनिया में सबसे अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रही हैं और सरकार इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। हालांकि, इन रोबोटों का तेजी से बढ़ता किराया कारोबार यह भी दिखा रहा है कि मौजूदा तकनीक अभी इतनी परिपक्व नहीं हुई है कि कारखानों, दफ्तरों या घरों में बड़े पैमाने पर इन्सानों की जगह ले सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार चीन में पिछले एक वर्ष के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट किराये पर उपलब्ध कराने का कारोबार तेजी से बढ़ा है। प्रदर्शनी, व्यावसायिक आयोजनों, प्रचार अभियानों और विवाह प्रस्ताव जैसे विशेष कार्यक्रमों में लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए इन रोबोटों की मांग बढ़ी है। एक रोबोट का दैनिक किराया लगभग 3,000 से 3,500 युआन तक है और कई मामलों में इसके साथ प्रशिक्षित ऑपरेटर भी उपलब्ध कराया जाता है। सरकारी मीडिया के अनुसार चीन में 1.53 लाख से अधिक रोबोट किराया कारोबार पंजीकृत हो चुके हैं। इन चुनौतियों के बावजूद चीन सरकार ह्यूमनॉइड रोबोट को भविष्य की रणनीतिक तकनीक मान रही है। इस वर्ष सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत वर्ष के अंत तक 100 से अधिक उच्च-मूल्य वाले व्यावहारिक क्षेत्रों में ह्यूमनॉइड रोबोट तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है।बीजिंग का मानना है कि घटती कार्यशील आबादी और धीमी आर्थिक वृद्धि के बीच रोबोट भविष्य में उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन बन सकते हैं। साथ ही चीन इस क्षेत्र में अमेरिका, जापान और यूरोप पर तकनीकी बढ़त हासिल करना चाहता है।

बाजार अनुसंधान संस्थानों के अनुसार दुनिया में ह्यूमनॉइड रोबोट निर्माण में चीन सबसे आगे निकल चुका है। देश में 140 से अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग और मजबूत विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला का लाभ मिलने से चीनी कंपनियां उत्पादन लागत तेजी से कम करने में सफल रही हैं। निवेश बैंक मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2050 तक दुनिया में लगभग एक अरब ह्यूमनॉइड रोबोट उपयोग में हो सकते हैं और इस उद्योग का आकार 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो सकता है। हालांकि व्यापक व्यावसायिक उपयोग अगले एक दशक बाद ही संभव होने की संभावना जताई गई है।

उद्योग अभी संक्रमण के दौर में: चीन की अग्रणी कंपनियां भी स्वीकार कर रही हैं कि उनके अधिकांश रोबोट फिलहाल अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक संगठनों को ही बेचे जा रहे हैं। औद्योगिक उत्पादन लाइनों में इनकी हिस्सेदारी अभी 10 प्रतिशत से भी कम है।

विस्थापित-वंचित कश्मीरी महिलाओं के सशक्तीकरण को मान्यता, हेमअथ एनजीओ विश्व मंच पर बुलंद करेगा आवाज

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। विश्व निकाय ने विस्थापित और सुविधाओं से वंचित कश्मीरी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करने वाले अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) 'हेमअथ इंक' को विशेष सलाहकार के रूप में मान्यता दी है। इस दर्जे से संगठन संयुक्त राष्ट्र के साथ सक्रिय रूप से जुड़ सकेगा और महिला सशक्तीकरण की वह आवाज वैश्विक मंच पर उठा सकेगा, जिनकी बात अक्सर अनसुनी रह जाती है। हेमअथ इंक को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) में विशेष सलाहकार का दर्जा दिया गया है। यह परिषद संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है और सतत विकास के आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय पहलुओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। हेमअथ इंक की संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शकुन मलिक ने कहा, संयुक्त राष्ट्र से मिली यह विशिष्ट मान्यता संगठन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हेमअथ को विशेष सलाहकार के दर्जे का प्रस्ताव रखा गया है। अमेरिका की प्रतिष्ठित कैंसर रोग विशेषज्ञ और समाजसेवी डॉ. शकुन मलिक ने कहा, विस्थापित कश्मीरी महिलाओं के लिए जमीनी स्तर पर शुरू की गई पहल अब महिला सशक्तीकरण, सतत विकास और सामाजिक समावेशन पर वैश्विक संवाद में योगदान देने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नागरिक संगठन के रूप में उभरी है।

अर्जेंटीना छठी बार सेमीफाइनल में

स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने गोल कर स्विट्ज़रलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्यॉय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

इंग्लैंड 8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

● **नॉर्वे का सफर समाप्त, हालैंड नहीं कर पाए गोल**

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में को इंग्लैंड ने नॉर्वे को हराकर 8 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में गोल करके इंग्लैंड को नॉर्वे पर 2-1 से जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड 2018 सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड के लिए दोनों गोल बेलिंगहैम ने किए। उन्होंने पहले हाफ के आखिर में पहला गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

रियल मैड्रिड के स्टार के इस फुटबॉल वर्ल्ड कप में साथी खिलाड़ी हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं। वह फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के 8-8 गोल से पीछे हैं। बेलिंगहैम ने राउंड ऑफ 16 में 2 गोल किए थे, जिससे इंग्लैंड ने सह-मेजबान मेक्सिको को हराया था। 1966 वर्ल्ड कप का जीतने वाले इंग्लैंड का सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से सामना होगा।

एंड्रियास श्जेल्डरुप ने 36वें मिनट में नॉर्वे के लिए गोल किया। 6 फुट 5 इंच के स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड की करिश्माई प्रदर्शन के दमपर नॉर्वे की टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और दुनिया को हैरान कर दिया। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी हालैंड ने इस टूर्नामेंट में सात गोल किए थे। क्वार्टर फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि वह वर्ल्ड कप में गोल नहीं कर पाए। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में जॉर्जन स्ट्रैंड लार्सन ने उनकी जगह ली। नॉर्वे 56वें मिनट में लगभग 2-1 से आगे हो गया था जब कॉर्नर किक के बाद टोरब्योर्न हेगेम ने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए रिबाउंड शॉट लगाकर गोल किया। वीडियो रिव्यू के बाद बॉक्स में हालैंड के फाउल के कारण गोल को नामंजूर कर दिया गया।

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का हुआ निधन, फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई।

विश्वकप के बीच बुरी खबर, अफ्रीका के एडम्स का निधन

जोहानिसबर्ग। फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने की। एडम्स मौजूदा फीफा विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल थे। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ हैमैकेंजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गहरे सदमे और भारी मन से मुझे यह जानकारी मिली कि मामेलोडी सनडाउन्स और बाफाना बाफाना के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है और पूरा देश उनके परिवार, साथियों तथा लाखों प्रशंसकों के साथ शोक में डूबा है। जेडन की मौत के कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मैं मीडिया और आम जनता से अपील करता हूं कि वे संयम और संवेदनशीलता बरतें तथा किसी भी तरह की अटकलों से बचें।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी**: इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम**: टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी**: इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल**: इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए है। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी**: श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

क्रिकेट जगत का बड़ा सम्मानः भारत के लिए गर्व का पल

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान

सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया। मैं उन सभी की आभारी हूं।'अंजुम चोपड़ा ने भारत के लिए 12 टेस्ट, 127 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह महिला वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनी थीं।